

जिला अस्पताल कर्मियों का वेतन अटका

दो माह से भुगतान लंबित, तीन माह का पीएफ भी जमा नहीं होने का आरोप; कलेक्ट्रेट पहुंचकर कर्मचारियों ने सौंपा झापन

सिंगरौली। जिला चिकित्सालय सह ट्रॉमा सेंटर बैटन में सीईडीमैप कंपनी के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों ने लंबित वेतन, पीएफ, एरियर और निर्धारित मानदेय के भुगतान को लेकर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर झापन सौंपा। कर्मचारियों ने जिला प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर जल्द भुगतान कराने की मांग की है।

कर्मचारियों ने ज्ञापन में बताया कि वे जिला अस्पताल में सुरक्षा गार्ड, सफाईकर्मी, वाई वाय सहित विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अस्पताल की व्यवस्थाओं में लगातार जिम्मेदारी निभाने के बावजूद उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिल रहा है। कर्मचारियों के अनुसार पिछले दो माह का वेतन लंबित है, जबकि तीन माह से पीएफ की राशि जमा नहीं होने का भी आरोप लगाया

कर्मचारियों ने बताया कि वेतन के साथ एरियर तथा अन्य निर्धारित भुगतानों का मामला भी लंबे समय से लंबित है। उनका कहना है कि पद के अनुरूप निर्धारित मानदेय का भुगतान भी कुछ मामलों में पूर्ण रूप से नहीं किया गया है। लगातार वेतन अटकने से कर्मचारियों और उनके परिवारों के सामने आर्थिक

परेशानी खड़ी हो रही है। ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों ने कलेक्टर से मांग की कि लंबित दो माह के वेतन का तत्काल भुगतान कराया जाए। साथ ही पिछले तीन माह के पीएफ की जांच कर नियमानुसार राशि संबंधित खातों में जमा कराई जाए। एरियर और अन्य लंबित भुगतानों का भी शीघ्र निराकरण कराने की मांग की गई।

कर्मचारियों का कहना है कि उनका उद्देश्य अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित करना नहीं है। वे अपनी इयूटी लगातार निभा रहे हैं और केवल अपने लंबित भुगतान का समाधान चाहते हैं। कर्मचारियों ने सीईडीमैप कंपनी तथा संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर भविष्य में प्रत्येक माह समय पर वेतन और मानदेय भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की है।

आउटसोर्स कर्मचारियों के मानदेय और ईपीएफ का भुगतान पूर्ण

जिला चिकित्सालय सह ट्रॉमा सेंटर बैटन में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों के मानदेय और ईपीएफ भुगतान को लेकर अस्पताल प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट की है। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. कल्पना

रवि ने बताया कि साफ-सफाई, सुरक्षा गार्ड और सपोर्ट स्टाफ की सेवाएं उद्यमिता विकास केंद्र मध्यप्रदेश (सेडमैप) के माध्यम से ली जा रही हैं। उन्होंने बताया कि जुलाई 2026 का बिल अस्पताल प्रशासन ने 8 अगस्त को भुगतान कर दिया था। अगस्त का बिल सेडमैप ने 16 सितंबर को प्रस्तुत किया, जिसका भुगतान 22 सितंबर को कर दिया गया। हड़ताल की सूचना के बाद संस्था के अधिकारियों से चर्चा की गई, जिसके बाद 24 सितंबर की दोपहर कर्मचारियों के खातों में अगस्त का मानदेय जमा कर दिया गया। अगस्त तक का ईपीएफ भी संबंधित संस्था द्वारा चालान के माध्यम से जमा किया जा चुका है। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि अनुबंधीय प्रावधानों के अनुसार भुगतान प्रक्रिया में आवश्यक समन्वय किया जा रहा है।

बरगवां में अवैध कबाड़ पर दबिश

जंगल ऑफिस के पास दुकान से 904.5 किलो एल्युमिनियम तार और 101 किलो कॉपर केबल बरामद



सिंगरौली। बरगवां थाना पुलिस ने अवैध कबाड़ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बरहवाटोला जंगल ऑफिस के पास एक दुकान में दबिश देकर बड़ी मात्रा में एल्युमिनियम तार और कॉपर केबल बरामद किया है। पुलिस के अनुसार जब सामग्री की कुल कीमत करीब 2 लाख 6 हजार 627 रुपये है। सामग्री चोरी की संपत्ति होने के संदेह में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक 22 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जंगल ऑफिस के पास स्थित दुकान में बड़ी मात्रा में एल्युमिनियम तार रखा हुआ है। सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को देने के बाद पुलिस अधीक्षक शियाज केएम और

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा के निर्देशन तथा एसडीओपी सिंगरौली के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अनिल कुमार पटेल के नेतृत्व में टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस टीम को दुकान के सामने खुले स्थान और गेट पर कबाड़ सामग्री रखी मिली। मौके पर दुकान संचालक या अन्य कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। तलाशी के दौरान एल्युमिनियम तार की पांच बोरियां और 52 अलग-अलग बंडल बरामद हुए। इनका कुल वजन 904.5 किलोग्राम और अनुमानित कीमत 1 लाख 35 हजार 675 रुपये बताई गई। इसी दौरान दो बोरियों और एक झोले से कॉपर

केबल के अंदर का तार भी मिला। इसका वजन 101.360 किलोग्राम तथा अनुमानित कीमत 70 हजार 952 रुपये आंकी गई। पुलिस ने दोनों प्रकार की सामग्री जब्त कर ली। पुलिस ने इस्तरासा क्रमांक 03/2026 के तहत धारा 106 बीएनएसएस में कार्रवाई दर्ज कर सामग्री के स्रोत, मालिकाना हक और चोरी की संपत्ति होने की आशंका की जांच शुरू की है। कार्रवाई में निरीक्षक अनिल कुमार पटेल, उपनिरीक्षक अरुण पटेल, उपनिरीक्षक वीरेंद्र त्रिपाठी, प्रधान आरक्षक फूल सिंह और विपिन तोमर की भूमिका रही।

सिंगरौली के चार तलवारबाज राष्ट्रीय मंच पर

जम्मू-कश्मीर में 23 से 27 सितंबर तक होगी 14वीं मिनी राष्ट्रीय फेंसिंग प्रतियोगिता, मध्य प्रदेश की ओर से पदक के लिए उतरेंगे खिलाड़ी



सिंगरौली। जिले के चार युवा तलवारबाजों ने राज्य स्तरीय फेंसिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर 14वीं मिनी राष्ट्रीय फेंसिंग प्रतियोगिता के लिए मध्य प्रदेश की टीम में स्थान बनाया है। चयनित खिलाड़ी जम्मू-कश्मीर के यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू में 23 से 27 सितंबर तक आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का

प्रदर्शन करेंगे। जिला फेंसिंग एसोसिएशन के अनुसार, अंडर-10 ईपी इवेंट में समीरा साकेत, अंडर-10 फाइनल इवेंट में शिवम कुमार शाह और शौर्य पिपलिया, जबकि अंडर-12 सेबर इवेंट में समीक्षा सिंह मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। सभी खिलाड़ी अपनी-अपनी स्पर्धा में पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे। प्रतियोगिता में इन खिलाड़ियों के इवेंट 25 और 26 सितंबर को

आयोजित होंगे। खिलाड़ियों के चयन से जिले के खेल जगत में उत्साह का माहौल है। कम उम्र में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता तक पहुंचना खिलाड़ियों की मेहनत और फेंसिंग खेल के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है। खिलाड़ी कोच खुशबू साकेत के नेतृत्व में प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। सिंगरौली जिला फेंसिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष सुमन सिंह व नम्रता सिंह, अमित राव, एसके दुबे, शिखा दुबे, गोपालजी श्रीवास्तव, संजीव कुमार, दिनेश कुमार श्रीवास्तव सहित जिला सचिव गणेश सिंह विशाल ने खिलाड़ियों के चयन पर हर्ष जताते हुए उन्हें राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

25 सितम्बर को मंडी परिसर में आयोजित होगा बलराम कृषि महोत्सव किसान संवाद कार्यक्रम

सिंगरौली। जिले में 25 सितम्बर को कृषि मंडी परिसर में बलराम कृषि महोत्सव किसान संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के किसानों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को कृषि क्षेत्र से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी एवं मार्गदर्शन प्राप्त होगा तथा किसानों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। किसान संवाद कार्यक्रम को लेकर कृषि मंडी परिसर में आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम स्थल पर किसानों के बैठने, पेयजल, स्वच्छता सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

100 से अधिक वाहनों पर चला चालान का डंडा

बिना हेलमेट, सीट बेल्ट, ब्लैक फिल्म और एचएसआरपी नंबर प्लेट को लेकर सघन चेकिंग; नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई, यातायात पुलिस ने दी सुरक्षित सफर की समझाइश



सिंगरौली। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए यातायात पुलिस ने गुरुवार को सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 100 से अधिक वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई

की गई। पुलिस की कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप की स्थिति रही। पुलिस अधीक्षक पियाज़ केएम के निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा और नगर पुलिस अधीक्षक हेमंत कुमार के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक रोशनी केसरवानी के नेतृत्व में टीम ने शहर और प्रमुख मार्गों पर वाहनों की जांच की। इस दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों को रोककर दस्तावेजों के साथ सुरक्षा संबंधी नियमों की जांच की गई। चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले दोपहिया चालकों और बिना सीट बेल्ट वाहन संचालित करने वाले कार चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा वाहनों में नियम विरुद्ध ब्लैक फिल्म लगाए जाने तथा बिना एचएसआरपी

नंबर प्लेट के संचालित वाहनों की भी जांच की गई। अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए कई लोगों को समझाइश भी दी गई। यातायात पुलिस के अनुसार अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और दुर्घटनाओं को रोकना है। अधिकारियों के निर्देश पर शहर सहित प्रमुख मार्गों पर चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की कि दोपहिया चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। यातायात नियमों का पालन कर स्वयं और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आज आएंगे सिंगरौली

बलराम कृषि महोत्सव में किसानों से करेंगे संवाद

सिंगरौली। भाजपा किसान मोर्चा मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा का कल दिन शुक्रवार को सिंगरौली जिले में एकदिवसीय प्रवास प्रस्तावित है। वे बलराम कृषि महोत्सव में शामिल होकर जिले के किसानों एवं कृषक प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन कृषक कल्याण वर्ष-2026 के अंतर्गत किया जा रहा है। उक्त आशय की प्रवासकारी भाजपा किसान मोर्चा सिंगरौली केजिला अध्यक्ष गुरु प्रवेन्द्र धर द्विवेदी ने दी है। महोत्सव में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, नवाचार, प्राकृतिक एवं वैज्ञानिक खेती तथा कृषि को अधिक लाभकारी बनाने से जुड़े विषयों की जानकारी दी जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष किसानों से संवाद कर कृषि क्षेत्र से जुड़े विषयों पर चर्चा करेंगे। प्रवास के दौरान जयपाल सिंह चावड़ा भाजपा किसान मोर्चा सिंगरौली के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक को भी संबोधित करेंगे। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और किसानों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी।

श्री गणेश विसर्जन को लेकर घाटों पर सुरक्षा का जायजा

एसपी शियाज ने बैटन, विन्ध्यनगर और नवानगर के विसर्जन स्थलों का किया निरीक्षण, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

सिंगरौली। श्री गणेश विसर्जन पर्व को शान्तिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पुलिस अधीक्षक पियाज़ के.एम. ने गुरुवार को बैटन, विन्ध्यनगर एवं नवानगर क्षेत्र के प्रमुख विसर्जन घाटों का निरीक्षण कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विसर्जन मार्ग, घाटों की स्थिति, भीड़ नियंत्रण, बैरिकेडिंग, प्रकाश, जल सुरक्षा और आपातकालीन व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। एसपी ने पर्याप्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना और चौकी रखने और आपातकालीन मार्ग खुले रखने पर विशेष जोर दिया गया। डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निर्धारित नियम और समय-सीमा के अनुसार कराने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस सोशल मीडिया पर भी नजर रखेगी। अफवाह, ध्रामक वीडियो अथवा आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी विन्ध्यनगर अर्चना द्विवेदी, सुबेदार आशीष तिवारी सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस ने लोगों से अनुशासन और भाईचारा बनाए रखने की अपील की है।

रखने और आपातकालीन मार्ग खुले रखने पर विशेष जोर दिया गया। डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निर्धारित नियम और समय-सीमा के अनुसार कराने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस सोशल मीडिया पर भी नजर रखेगी। अफवाह, ध्रामक वीडियो अथवा आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी विन्ध्यनगर अर्चना द्विवेदी, सुबेदार आशीष तिवारी सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस ने लोगों से अनुशासन और भाईचारा बनाए रखने की अपील की है।

निवास में ग्रामीणों ने पकड़ी अवैध शराब से लदी बोलेरो

लंबे समय से पैकारी के आरोप, ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद पुलिस पहुंची मौके पर; वाहन कब्जे में लेकर जांच शुरू



सिंगरौली। निवास चौकी क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार को लेकर गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब ग्रामीणों ने कथित रूप से भारी मात्रा में शराब ले जा रही एक बोलेरो को पकड़ लिया। ग्रामीणों के अनुसार वाहन को मौके से हटाने का प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान ग्रामीणों ने हस्तक्षेप कर वाहन रोक लिया और तत्काल निवास पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही निवास चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और बोलेरो को अपने कब्जे में ले

लिया। पुलिस ने वाहन में रखी शराब को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। निवास चौकी प्रभारी नृपेंद्र सिंह ने बताया कि अवैध शराब पकड़ी गई है और मामले में कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब शराब की मात्रा, वाहन के स्वामित्व और इसे कहाँ से लाया गया तथा कहाँ ले जाया जा रहा था, इसकी जांचकारी जुटा रही है। निवास क्षेत्र में लंबे समय से अवैध शराब की पैकारी किए जाने की शिकायतें स्थानीय स्तर पर सामने आने की बात कही जा रही

है। ग्रामीणों और स्थानीय सूत्रों का दावा है कि क्षेत्र में शराब का अवैध कारोबार लगातार जारी है। हालांकि, पुलिस संरक्षण में कारोबार संचालित होने के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में पुलिस जांच के बाद ही इन आरोपों की वास्तविकता सामने आएगी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध शराब की पैकारी की शिकायतें थीं, तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई। गुरुवार को ग्रामीणों द्वारा स्वयं शराब पकड़कर पुलिस को सूचना देने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। अब पुलिस को कार्रवाई पर निगाहें टिकी हैं कि जल्द शराब के स्रोत, परिवहन और संभावित नेटवर्क तक जांच कितनी आगे बढ़ती है। फिलहाल पुलिस बोलेरो को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है।

प्रस्तावित हड़ताल के दौरान भी जारी रहेंगी बैंकिंग सेवाएं

सिंगरौली। लॉड बैंक प्रबंधक (एलडीएम) रंजीत सिंह द्वारा अवगत कराया गया है कि प्रस्तावित बैंक हड़ताल की अवधि में आमजन को सुगम एवं निर्बाध बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए बैंक प्रशासन द्वारा विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। ग्राहकों को आवश्यक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संबंधित बैंकों द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 27 सितंबर 2026 रविवार को देशभर के सार्वजनिक बैंक के बैंक एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सामान्य कार्यदिवस की तरह खुले रहेंगे तथा बैंकिंग कार्य संचालित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 28 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक ग्राहकों की सुविधा के लिए किसी भी बैंक के एटीएम से किए जाने वाले लेन-देन पर लगने वाले एटीएम शुल्क को माफ किया गया है।

चितरंगी में सेवा सेतु अभियान के तहत प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का विशेष शिविर आयोजित

सिंगरौली। सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप संचालित 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत सामुदायिक भवन चितरंगी में विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता कर योजना की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान पात्र एवं इच्छुक उपभोक्ताओं को योजना का लाभ लेने के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराते हुए मौके पर पंजीयन की प्रक्रिया भी की गई। शिविर में योजना के संबंध में नागरिकों को सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना, पात्रता, अनुदान तथा पंजीयन की प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।



अधिकारियों एवं विद्युत विभाग की टीम द्वारा बताया गया कि योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को अपने घर को छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए शासन द्वारा अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। इससे घरेलू विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ बिजली व्यय में कमी लाने तथा स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहित करने

में सहायता मिलती है। कार्यक्रम के दौरान योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और परिवारों को ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। सिंगरौली जैसे ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण जिले में सौर

ऊर्जा को अपनाने से स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। नागरिकों से अपील की गई कि वे योजना की जानकारी प्राप्त कर पात्रता के अनुसार इसका लाभ लें तथा अपने घरों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनें। शिविर के दौरान विद्युत विभाग की टीम एवं पंजीकृत सौर ऊर्जा एजेंसियों द्वारा नागरिकों को योजना की पात्रता, पंजीयन प्रक्रिया, अनुदान की व्यवस्था तथा आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी गई। साथ ही नागरिकों की जिज्ञासाओं एवं समस्याओं का मौके पर समाधान करते हुए अधिक से अधिक पात्र परिवारों को योजना से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया।



पंचायत दर्पण पोर्टल की दक्षता के लिए रामपुर नैकिन में कार्यशाला आयोजित



सीधी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौम्या आनंद के निर्देशन में जनपद पंचायत सभागार रामपुर नैकिन में बुधवार को ग्राम पंचायत सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायकों के लिए पंचायत दर्पण पोर्टल के विभिन्न मॉड्यूल एवं ऑनलाइन प्रक्रियाओं पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य पंचायतों में डिजिटल कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करते हुए ऑनलाइन कार्यों का प्रभावी एवं समयबद्ध

संचालन सुनिश्चित करना रहा। जिला पंचायत के जिला कार्यक्रम प्रबंधक अजय कुमार गुप्ता ने पंचायत दर्पण पोर्टल के संचालन, आवश्यक प्रविष्टियों और जानकारी अद्यतन करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। प्रशिक्षण में स्वयं के श्रोत राजस्व (रैंक) प्रबंधन, दृष्टि लेखांकन, परिसंपत्ति मैपिंग, निर्माण कार्य प्रबंधन एवं भुगतान सहित विभिन्न मॉड्यूल पर प्रशिक्षण दिया गया। पंचायत के राजस्व एवं वित्तीय गतिविधियों की ऑनलाइन

प्रविष्टि तथा परिसंपत्तियों का विवरण पोर्टल पर दर्ज और अद्यतन करने की प्रक्रिया भी समझाई गई।

जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. हरीश केसरवानी ने सभी मॉड्यूल में प्रगति सुनिश्चित करने तथा पोर्टल पर आवश्यक जानकारी समय पर दर्ज एवं अद्यतन करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर ग्राम पंचायतों में विद्युत बिलों के भुगतान एवं बिलों में संशोधन से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए विद्युत समाधान शिविर भी आयोजित किया गया। पंचायत सचिवों ने संबंधित शिकायतें विद्युत विभाग के अधिकारियों को सौंपीं, जिनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया गया।

कार्यक्रम में विकासखंड पंचायत अधिकारी, विकासखंड समन्वयक आरजीएसए, सहायक विकास विस्तार अधिकारी, पंचायत समन्वयक अधिकारी एवं ग्राम पंचायत सचिव उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

सीधी। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में राष्ट्रीय सेवा योजना



स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रस्तुतियां दीं। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों तथा पठन-पाठन के महत्व पर छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को सेवा भावना, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं पाठ्यक्रमों की जानकारी देते हुए

कहा कि विद्यार्थी उपलब्ध अवसरों और योजनाओं का लाभ उठाकर निष्ठा एवं लगन से अध्ययन करें तथा महाविद्यालय, परिवार और देश का नाम रोशन करें। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए नुकड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। छात्र-छात्राओं ने नशे से होने वाले दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हुए नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई की संयोजक डॉ. गंगा देवी बैरागी ने उपस्थित अतिथियों, प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर छात्राओं ने लिया सेवा एवं स्वच्छता का संकल्प

सीधी। राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर 24 सितम्बर को शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा प्राचार्य ओम प्रकाश नामदेव की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में सेवा-भावना, सामाजिक उत्तरदायित्व, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करना रहा।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रतिमा कौल ने राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना, उद्देश्यों तथा में नहीं, आप के श्वेय वाक्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेविकाओं को समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य ओम प्रकाश नामदेव ने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों को समाज की वास्तविक समस्याओं से जोड़कर उनके समाधान में सहभागी बनने का अवसर प्रदान करता है।

इस अवसर पर छात्राओं ने



महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया तथा स्वच्छ वातावरण, कचरे के उचित निपटान और सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, जल संरक्षण, स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण और

सामाजिक सद्भाव जैसे विषयों पर भी जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई।

स्वयंसेविकाओं ने समाज सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं एनएसएस स्वयंसेविकाओं की सक्रिय सहभागिता रही।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का जिलास्तरीय शिविर 25 सितंबर को कुसमी में

सीधी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत जिलास्तरीय शिविर का आयोजन 25 सितंबर 2026 को प्रातः 11 बजे से कुसमी में किया जाएगा। शिविर में आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण के साथ शासकीय योजनाओं और सेवाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने अधिकारियों को अपने विभाग से संबंधित लंबित शिकायतों, प्रकरणों और हितग्राही योजनाओं की अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। सीएम हेलपलाइन की लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से

निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। शिविर में सीएम हेलपलाइन की शिकायतों तथा लोकसेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित सेवाओं की विभागवार समीक्षा होगी। कलेक्टर ने कहा है कि शिकायतों का निराकरण केवल पोर्टल पर दर्ज करने तक सीमित न रहे, बल्कि आवेदक की समस्या का वास्तविक और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से सीधा संवाद कर योजनाओं का लाभ मिलने, सेवाओं की उपलब्धता और समस्याओं की जानकारी ली जाएगी।

सिहावल में दिव्यांग बच्चों के लिए चिकित्सीय मूल्यांकन शिविर संपन्न

सीधी। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल एवं जिला शिक्षा केंद्र सीधी के निर्देशन में तथा बीआरसीसी सिहावल मुन्नालाल साकेत के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत सभागार सिहावल में बुधवार को दिव्यांग बच्चों के लिए चिकित्सीय मूल्यांकन एवं चिन्हांकन शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों की आवश्यकताओं का आकलन कर उन्हें सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के साथ शिक्षा में आवश्यक सहयोग प्रदान करना रहा।

शिविर में सिहावल विकासखंड के 134 दिव्यांग बच्चों का पंजीयन किया गया। इनमें से 43 बच्चों का सहायक उपकरणों



के लिए चयन किया गया, जिन्हें कुल 79 उपकरण उपलब्ध कराए जाने के लिए चिन्हित किया गया। शिविर के दौरान 30 बच्चों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनाए

गए। शिविर में मेडिकल बोर्ड की टीम, एलिम्को के प्रतिनिधि, एपीसी आईईडी रजनीश श्रीवास्तव, बीआरसीसी सिहावल मुन्नालाल साकेत एवं बीएससी

अखंड प्रताप सिंह की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एमआरसी हरिशंकर मिश्रा, एमआरसी राम सजीवन कुशवाहा, सीएससी बबू सिंह, सीएससी राम निरंजन पटेल, सीएससी मणिकांत सिंह, सीएससी रामाधार पटेल सहित शिक्षकों एवं अन्य सहयोगी कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिविर में दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों ने भी सक्रिय सहभागिता की। बच्चों के चिकित्सीय मूल्यांकन के साथ उनकी शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत आवश्यकताओं की जानकारी लेकर उन्हें आवश्यक सहयोग से जोड़ने का प्रयास किया गया।

आत्मविश्वास और मेहनत से बदली जिंदगी, रोशनी बनी आत्मनिर्भरता की मिसाल

सीधी। कभी घर और बच्चों की जिम्मेदारियों तक सीमित रहने वाली ग्राम धनौली की रोशनी साहू ने मेहनत, आत्मविश्वास और समूह की ताकत से अपने जीवन की दिशा बदल दी। आज वह न केवल स्वयं आत्मनिर्भर हैं, बल्कि अपने समाज की महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बनी हुई हैं। ग्रामीण आजीविका मिशन की गतिविधियां शुरू होने के बाद रोशनी ने अपने समाज की 10 महिलाओं के साथ मिलकर आदर्श स्व-सहायता समूह का गठन किया। समूह की महिलाओं ने नियमित बैठक, बचत और आपसी सहयोग की शुरुआत की। तीन माह बाद समूह को चक्रीय कोष से 20 हजार रुपये प्राप्त हुए। इसके बाद महिलाओं ने नियमित रूप से बचत और आपसी लेन-देन करते हुए समूह को मजबूत बनाया। छह माह बाद समूह



को 1.50 लाख रुपये का बैंक लिंकेज मिला। रोशनी ने इसमें से 40 हजार रुपये का ऋण लेकर किराना एवं दैनिक उपयोग की सामग्री की दुकान शुरू की। शुरुआत छोटी थी, लेकिन मेहनत और लगन से कारोबार धीरे-धीरे बढ़ता गया। समय पर ऋण की राशि वापस करने के बाद उन्होंने दोबारा ऋण लेकर दुकान का विस्तार किया। आज उनकी दुकान में करीब 3 लाख रुपये का सामान उपलब्ध है और वे लखपति दांती की श्रेणी में शामिल हो चुकी हैं। रोशनी कहती हैं, अगर हम थोड़ा

भी प्रयास करें और घर से बाहर निकलकर कुछ करने का साहस रखें, तो महिलाएं भी हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकती हैं। कोई काम केवल पुरुषों के लिए नहीं है। रोशनी अपने अनुभव का श्रेय मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन और मध्यप्रदेश शासन द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को देती हैं। वह अपने समाज की महिलाओं से आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने का आह्वान करते हुए कहती हैं कि जब महिला स्वयं आत्मनिर्भर बनती है, तो परिवार मजबूत होता है और परिवारों की मजबूती से समाज सशक्त बनता है। रोशनी साहू की कहानी इस बात की मिसाल है कि संकल्प, समूह की शक्ति एवं निरंतर मेहनत से छोटे कदम भी बड़े बदलाव की शुरुआत बन सकते हैं।

कुसमी में 25 सितंबर को अंत्योदय स्वास्थ्य शिविर, विशेषज्ञ चिकित्सक देंगे सेवाएं

सीधी। आमजन को बेहतर एवं विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकासखंड कुसमी में 25 सितंबर 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी में अंत्योदय स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में भोपाल, रीवा एवं जिला चिकित्सालय सीधी से विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम पहुंचकर मरीजों की जांच, परामर्श एवं आवश्यक उपचार की सुविधा उपलब्ध कराएगी।

शिविर में विशेष रूप से हृदय रोग से संबंधित मरीजों की जांच की जाएगी। कार्डियक जांच के साथ मध्व जांच की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। हृदय रोग से पीड़ित पात्र मरीज आयुष्मान योजना के माध्यम से उपचार का लाभ प्राप्त

कर सकेंगे। इसके अलावा कटे हॉट एवं तालु, सिस्ट, ट्यूमर, हर्निया और हाइड्रोसोल जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हितग्राही भी शिविर में पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से जांच एवं उपचार संबंधी परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। आवश्यकतानुसार मरीजों को आगे के उपचार के लिए भी मार्गदर्शन दिया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला सीधी ने बताया कि शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को उनके क्षेत्र में ही विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि गंभीर एवं जटिल स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान और उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

सेवा संकल्प अभियान के तहत नुकड़ नाटक से दिया नशामुक्ति का संदेश

सीधी। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जिले में नशामुक्ति को लेकर जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में 23 सितंबर को सिहावल के सोनवर्षा और रामपुर नैकिन के डड्डिया में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सिहावल विकासखंड के सेक्टर क्रमांक-2 अमिलिया अंतर्गत नवांकुर संस्था गुरु रविदास अनुसूचित जाति उत्थान समाज सेवा समिति सहजी तथा रामपुर नैकिन विकासखंड के सेक्टर क्रमांक-1 चुरहट अंतर्गत नवांकुर संस्था शहीद सुधाकर सिंह सेवा समिति डड्डिया द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों और बच्चों ने नुकड़ नाटक प्रस्तुत किए। नुकड़ नाटक के माध्यम से नशे से होने वाली शारीरिक,



मानसिक, सामाजिक और आर्थिक क्षति को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया। बच्चों और विद्यार्थियों ने अभिनय के माध्यम से युवाओं एवं ग्रामीणों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ और जागरूक समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों एवं विद्यार्थियों ने स्वयं नशे से दूर रहने के साथ अपने परिवार, गांव और आसपास के युवाओं को भी नशे की लत से बचाने के लिए

प्रेरित करने का संकल्प लिया। उपस्थित ग्रामीणों ने भी नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहभागिता की बात कही। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जिले में समाजहित से जुड़े विषयों पर जनजागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। नुकड़ नाटक जैसे रचनात्मक माध्यमों से बच्चों और युवाओं की सहभागिता ने नशामुक्ति के संदेश को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया।

डॉ अजय मिश्रा भारत स्काउट एवं गाइड के राज्य उपाध्यक्ष निर्वाचित, लगा बधाइयों का तांता

सीधी। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा के जेष्ठ सुपुत्र डॉ अजय मिश्रा भारत स्काउट एवं गाइड राज्य संघ मध्य प्रदेश के



राज्य उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ अजय मिश्रा ज्योत्सना ग्रुप के चेयरमैन, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कार्य परिषद के वरिष्ठ सदस्य, सस्वतो शिशु मॉडर चुरहट के सह व्यवस्थापक सहित विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षिक संस्थानों के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। डॉ मिश्रा लगातार दूसरी बार भारत स्काउट एवं गाइड के राज्य

अवैध खनिज उत्खनन में पोकलेन मशीन जप्त

सीधी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विकास मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन तथा जिला खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में खनिज विभाग की टीम ने बहरी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरी के ग्राम झरिया में अवैध खनिज पत्थर उत्खनन के विरुद्ध कार्रवाई की। जांच के दौरान मौके पर पोकलेन हंडर्ड मशीन से बिना वैधानिक अनुमति खनिज पत्थर का अवैध उत्खनन किया जाना पया गया। खनिज दल को देखकर मशीन ऑपरेटर एवं अन्य मजदूर मौके से फरार हो गए। टीम ने मशीन को नियमानुसार जप्त कर सुरक्षाथं थाना



प्रभारी, पुलिस थाना बहरी की अभिरक्षा में सुपुर्द किया।

मामले में संबंधित उत्खननकर्ता एवं मशीन स्वामी के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण) का निवारण) नियम, 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी

के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

जिला प्रशासन के निर्देशानुसार अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। अनाधिकृत गतिविधियों में आदतन संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पीएम-किसान हितग्राहियों की ई-केवायसी के लिए 2 से 31 अक्टूबर तक विशेष अभियान

सीधी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान किसानों की लंबित ई-केवायसी, आधार एवं बैंक खाते की डीबीटी सक्रियता, लैंड लिंकिंग, फार्मर आईडी सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कराई जाएगी।

अभियान के तहत अपात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन एवं योजना से वंचित पात्र किसानों का पंजीयन भी किया जाएगा। ग्राम पंचायत स्तर पर प्रचार-प्रसार के साथ पंचायत भवनों में शिविर आयोजित कर किसानों को योजना से संबंधित जानकारी दी जाएगी तथा ई-केवायसी की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी।

ई-केवायसी के लिए सीएससी केंद्रों की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। ग्राम स्तर पर अभियान की

गतिविधियों के समन्वय एवं कार्यवाही के लिए पटवारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कृषि, पंचायत सहित अन्य संबंधित विभागों के मैदानी अमले का सहयोग लेकर अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाएगा।

अभियान के दौरान लंबित ई-केवायसी, लैंड लिंकिंग, आधार-बैंक खाता लिंकिंग, संदिग्ध हितग्राहियों का सत्यापन तथा लंबित सेलफ रजिस्ट्रेशन जैसी कार्यवाहियों का भी निराकरण किया जाएगा।

जिला प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को अभियान के दौरान निर्धारित कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पीएम-किसान पोर्टल पर उपलब्ध रिपोर्ट के आधार पर कार्यों की सतत निगरानी एवं समीक्षा की जाएगी, ताकि पात्र किसानों को योजना का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की पेशानी न हो।

संपादकीय

गुरुग्राम की घटना ने सड़कों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर फिर उठाए गंभीर सवाल

दिल्ली-एनसीआर में आपराधिक घटनाओं पर अंकुरा लगाने के सकार के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। खासकर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हर स्तर पर गंभीरता और संवेदनशीलता का अभाव साफ नजर आता है। गुरुग्राम में हाल ही में एक मोटरसाइकिल सवार युवती को कार से टक्कर मारकर घायल कर देने की घटना ने सड़क पर सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।पुलिस ने इस मामले में आरोपी कार चालक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। मगर मामले में पीड़िता ने कहा है कि आरोपी की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है और उनके और घटना के समय कार में कथित रूप से मौजूद अन्य लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, क्योंकि उनकी जान लेने की कोशिश की गई थी। पीड़ित युवती का आरोप है कि कार में सवार लोगों ने पहले उसे रुकने का इशारा किया और बाद में उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इतना ही नहीं टक्कर मारने से पहले आरोपी ने उसके खिलाफ अभद्र टिप्पणियां भी की ढूजब सड़क पर खुलेआम महिलाओं के साथ इस तरह की घटनाएं हों, तो जाहिर है कि अपराधियों के भीतर कानून का कोई खौफ नहीं है।दरअसल, पीड़ित युवती ने सोशल मीडिया पर इस घटना के वीडियो जारी कर आरोपी के उन दावों पर सवाल उठाए हैं कि मोटरसाइकिल को टक्कर जानबूझकर नहीं मारी गई, बल्कि यह एक हादसा था। यह घटना सड़क पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर वास्तविक स्थिति की ओर ध्यान खींचती है। किसी महिला का वाहन चलाते समय पीछा करने, रास्ता रोकने या टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो जाना आपराधिक मानसिकता को दर्शाता है। अगर आज भी महिलाएं निर्भीक होकर सड़क पर न चल सकें, तो यह शासन-प्रशासन के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।सवाल यह भी है कि आखिर अपराधियों के भीतर कानून का खौफ क्यों नजर नहीं आता है? जाहिर है, इसके लिए निश्चित रूप से कानून प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही जिम्मेदार है।

शरद कुमार साह

रिश्ते जीवन को जोड़ने और एक-दूसरे से बांधे रखने वाली वह कड़ी हैं, जिनकी मजबूती विश्वास, अपनापन, सम्मान और संवाद से बनी रहती है। इन्हीं रिश्तों में इंसान अपने सुख-दुख साझा करता है और मुश्किल समय में सहारा पाता है। लेकिन रिश्तों को बनाए रखने के लिए केवल साथ रहना पर्याप्त नहीं है। एक-दूसरे की बात समझना, अपनी बात कह पाना और असहमति के बावजूद सम्मान बनाए रखना भी जरूरी है। जहां बातचीत बनी रहती है, वहां मतभेद के बीच भी रिश्ते को संभालने की गुंजाइश रहती है। समस्या तब शुरू होती है, जब मन की बात कहने के बजाय उसे भीतर दबाया जाने लगे और सुनने की जगह अनुमान लेने लगे।

परिवार में अलग-अलग सोच, स्वभाव और जरूरतों के कारण मतभेद होना स्वाभाविक है। हर बात पर सहमति होना किसी भी परिवार के लिए संभव नहीं। असहमति अपने आप में रिश्ते की कमजोरी नहीं है। समस्या तब गंभीर होती है, जब असहमति बातचीत का रास्ता बंद कर देती है। छोटी नाराजगी मन में जमा होती रहती है, गलतफहमी बढ़ती जाती है और सामने वाले की बात समझने के बजाय उसके व्यवहार का अर्थ अपनी धारणा के अनुसार निकाला जाने लगता है। धीरे-धीरे यही स्थिति रिश्तों में दूरी और अविश्वास पैदा करती है।

अक्सर रिश्तों में दूरार किसी एक बड़ी घटना से नहीं आती। उसके पीछे कई छोटी-छोटी बातें होती हैं, जिन्हें समय रहते कहा या सुना नहीं गया। किसी को लगता है कि उसकी बात को महत्व नहीं दिया जा रहा, तो किसी को लगता है कि उसके साथ न्याय नहीं हो रहा। कहीं आर्थिक जिम्मेदारियों को लेकर तनाव होता है, कहीं घर के काम को लेकर असहमति। कहीं पति-पत्नी के बीच समय की कमी परेशानी बढ़ाती है, तो कहीं परिवार के दूसरे सदस्यों को दखल से विवाद गहरा जाता है। कारण अलग हो सकते हैं, लेकिन जब बातचीत बंद होती है तो समाधान की संभावना भी कमजोर पड़ने लगती है। यहीं संवाद की असली जरूरत सामने आती है। संवाद का अर्थ यह नहीं कि हर विवाद में एक पक्ष अपनी बात खोड़ दे या हर परिस्थिति में समझौता कर लिया जाए। संवाद का अर्थ है अपनी बात स्पष्ट रूप से रखना और सामने वाले की बात भी धैर्य से सुनना। कई बार बातचीत समस्या को तुरंत खत्म नहीं करती, लेकिन वह समस्या की असली वजह सामने लाने का अवसर देती है। गलतफहमी दूर हो सकती है, अपेक्षाएं स्पष्ट हो सकती हैं



और दोनों पक्ष यह समझ सकते हैं कि विवाद वास्तव में किस बात को लेकर है।पूर्णिया में संचालित पुलिस परिवार परामर्श केंद्र इसी विचार का एक व्यावहारिक उदाहरण है। परिवारिक विवाद लेकर पहुंचने वाले लोगों को अपनी बात रखने और दूसरे पक्ष को सुनने का अवसर दिया जाता है। जहां बातचीत से समाधान की गुंजाइश दिखाई देती है, वहां आपसी समझ के आधार पर रास्ता तलाशने की कोशिश की जाती है। हर मामला समझौते तक पहुंचे, यह जरूरी नहीं। कुछ मामलों में विवाद की प्रकृति ऐसी होती है कि आगे कानूनी प्रक्रिया जरूरी हो जाती है। इसलिए परामर्श को किसी भी विवाद का एकमात्र समाधान मानना सही नहीं होगा। इसकी उपयोगिता वहां अधिक है, जहां संवाद की कमी, गलतफहमी या आपसी नाराजगी विवाद को बढ़ा रही हो। यह उदाहरण परिवारों के लिए एक बड़ा सवाल भी खड़ा करता है—क्या विवाद सामने आने के बाद ही समाधान की तलाश शुरू होनी चाहिए? या परिवार के भीतर ऐसी आदत विकसित की जा सकती है, जिसमें नाराजगी बढ़ने से पहले ही लोग एक-दूसरे से बात कर सकें? यदि घर में बातचीत के लिए जगह बनी रहे तो संभव है कि कई शिकायतें उस स्तर तक पहुंचें ही नहीं, जहां बाहरी हस्तक्षेप की जरूरत पड़े।आज परिवारों की जीवनशैली बदल रही है। नौकरी, पढ़ाई, आर्थिक जिम्मेदारियों और व्यस्त दिनचर्या के बीच परिवार के सदस्यों के पास एक-

दूसरे के लिए समय कम होता जा रहा है। मोबाइल और सोशल मीडिया ने संपर्क आसान किया है, लेकिन आमने-सामने बैठकर बात करने की जगह कोई तकनीक पूरी तरह नहीं ले सकती। समस्या मोबाइल या तकनीक भर नहीं है। असली सवाल यह है कि क्या परिवार के लोग एक-दूसरे की बात सुनने के लिए समय और धैर्य निकाल रहे हैं।

माता-पिता और बच्चों के बीच भी संवाद की कमी कई परेशानियों को जन्म दे सकती है। बच्चे अपनी समस्या बताने से डरें और माता-पिता उनकी बात सुने बिना ही निर्णय लेने लगे तो दूरी बढ़ना स्वाभाविक है। दूसरी ओर बच्चों को भी यह समझना होगा कि माता-पिता की चिंता के पीछे उनकी जिम्मेदारी और भविष्य को लेकर उम्मीदें होती हैं। दोनों तरफ से सुनने और समझने की कोशिश हो तो कई टकराव बड़े विवाद बनने से पहले ही संभाले जा सकते हैं। पति-पत्नी के रिश्ते में भी यही बात लागू होती है। परिवार चलाना केवल आर्थिक जिम्मेदारी निभाने का नाम नहीं है। इसमें समय, सम्मान, धैर्य जिम्मेदारियां, बच्चों की देखभाल और एक-दूसरे की भावनाओं को समझना भी शामिल है। जब इनमें से किसी एक पक्ष को लगातार उपेक्षित महसूस होता है तो नाराजगी बढ़ सकती है। ऐसी स्थिति में चुपपी समस्या को खत्म नहीं करती। कई बार शांत वातावरण में की गई एक स्पष्ट बातचीत उस बात को सामने ला देती है, जो लंबे

समय से विवाद की वजह बनी हुई थी।परिवार के बड़ों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। विवाद होने पर तुरंत किसी एक पक्ष का समर्थन करने के बजाय दोनों पक्षों को सुनना जरूरी है। किसी की परेशानी को छोटा बनाना या बिना पूरी बात जाने फैसला सुना देना स्थिति को और बिगाड़ सकता है। परिवार बचाने की कोशिश तभी सार्थक होगी, जब उसमें सभी की बात और सम्मान के लिए जगह हो।

लेकिन संवाद की बात करते समय एक सीमा को स्पष्ट रखना भी जरूरी है। धैर्य ह्रिंसा, गंभीर प्रताड़ना, धमकी या किसी अन्य गंभीर मामले में सुरक्षा और कानूनी अधिकार सबसे पहले आते हैं। ऐसे मामलों को केवल परिवार बचाने या समझौते के नाम पर दबाया नहीं जा सकता। संवाद का उद्देश्य किसी पीड़ित पर दबाव बनाना नहीं, बल्कि जहां सुरक्षित और उचित हो वहां समाधान की संभावना तलाशना होना चाहिए। कानून और सुरक्षा के अधिकार अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं।

समाज में भी संवाद की संस्कृति को मजबूत करने की जरूरत है। किसी परिवार का विवाद जब बाहर आता है तो अक्सर चर्चा और पक्ष लेने का सिलसिला शुरू हो जाता है। इससे समस्या सुलझने के बजाय और उलझ सकती है। रिश्तेदारों, पड़ोसियों और समाज के जिम्मेदार लोगों की भूमिका किसी पक्ष को भड़काने में नहीं, बल्कि स्थिति को शांत रखने और जरूरत पड़ने पर उचित सहायता तक पहुंचाने में होनी चाहिए। दरअसल, किसी रिश्ते के टूटने का आंतिम क्षण अचानक दिखाई देता है, लेकिन उसकी शुरुआत बहुत पहले हो चुकी होती है। पहले बातचीत कम होती है, फिर नाराजगी बढ़ती है, उसके बाद एक-दूसरे को समझने की कोशिश घटती है और अंततः भरोसा कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए रिश्ते बचाने की कोशिश उस समय नहीं शुरू होनी चाहिए, जब मामला पूरी तरह बिगड़ चुका हो। पहली गलतफहमी और पहली दूरी के समय ही बातचीत की जरूरत पहचान लेना अधिक महत्वपूर्ण है। पूर्णिया पुलिस परिवार परामर्श केंद्र जैसे प्रयास इस बात की याद दिलाते हैं कि विवाद के हर मामले का रास्ता एक जैसा नहीं होता। कहीं बातचीत से रास्ता निकल सकता है, कहीं परिवार के स्तर पर समझदारी से बात संभाली जा सकती है और कहीं कानून की प्रक्रिया जरूरी हो सकती है। महत्वपूर्ण यह है कि निर्णय परिस्थिति को समझकर हो, न कि केवल गुस्से या जल्दबाजी में।

लापता बच्चों की तलाश से आगे क्या हम उनके गायब होने की वजह भी खोज रहे हैं?

राकेश मिश्रा

किसी बच्चे का घर से निकलना और वापस न लौटना किसी परिवार के लिए सिर्फ एक गुमशुदगी नहीं, बल्कि हर गुजरते घंटे के साथ बढ़ती चिंता है। पुलिस के लिए यह एक मामला है, बाल संरक्षण तंत्र के लिए एक जिम्मेदारी और व्यवस्था के लिए एक ऐसी परीक्षा, जिसमें समय की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में एक सवाल अक्सर पीछे छूट जाता है—बच्चा मिला या नहीं, यह जानना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी यह जानना भी है कि वह गायब कैसे हुआ। सितंबर 2026 में बांग्लादेश पुलिस मुख्यालय के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से जुलाई के बीच वहां 15,717 बच्चों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज हुई। इनमें 13,679 बच्चे बरामद हुए या परिवारों तक लौटे, जबकि 2,038 बच्चे अब भी अनट्रेस्ट थे। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल लापता बच्चों की संख्या बताने से पूरी तस्वीर सामने नहीं आती क्योंकि बड़ी संख्या में बच्चे बाद में मिल जाते हैं। बांग्लादेश का यह आंकड़ा भारत की स्थिति का प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है। दोनों देशों की जनसंख्या, प्रशासनिक

व्यवस्था और रिपोर्टिंग प्रणाली अलग है। लेकिन यह आंकड़ा एक ऐसा सवाल जरूर खड़ा करता है, जो भारत के लिए भी महत्वपूर्ण है— जब कोई बच्चा लापता होता है तो क्या हमारी व्यवस्था सिर्फ उसे खोजती है या उसके गायब होने के कारण और परिस्थितियों की भी व्यवस्थित पड़ताल करती है? भारत में बच्चों के लापता होने की समस्या नई नहीं है और इसके लिए सरकारी रिकॉर्ड भी उपलब्ध हैं। गृह मंत्रालय द्वारा लोकसभा में प्रस्तुत आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022 में देश में 83,350 बच्चे लापता दर्ज हुए। इनमें पिछले वर्षों से चले आ रहे मामलों को जोड़ने पर कुल 1,27,874 बच्चों के मामले रिकॉर्ड में थे। उसी वर्ष 80,561 बच्चों को ट्रेस या रिकवर किया गया, जबकि वर्ष के अंत में 47,313 बच्चे अनरिकवर्ड/ अनट्रेस्ट थे। यह आंकड़ों को समझना जरूरी है। 1,27,874 का आंकड़ा केवल 2022 में गायब हुए बच्चों का नहीं है। इसमें पिछले वर्षों के ऐसे मामले भी शामिल हैं, जो 2022 की शुरुआत तक अनट्रेस्ट थे। यही अंतर बेहद महत्वपूर्ण है। लापता, पता लगा और पता नहीं चला - तीनों अलग-अलग श्रेणियां हैं।

उदाहरण के लिए, पश्चिम बंगाल में 2022 में 12,455 बच्चे लापता दर्ज हुए। पिछले वर्षों के अनट्रेस्ट मामलों को जोड़ने पर कुल संख्या 19,540 थी। वर्ष के दौरान 12,546 बच्चों को ट्रेस किया गया और वर्ष के अंत में 6,994 बच्चे अनरिकवर्ड/अनट्रेस्ट थे। इन आंकड़ों से यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं होगा कि सभी या बड़ी संख्या में लापता बच्चे मानव तस्करी के शिकार हुए। लेकिन यह जरूर स्पष्ट है कि समस्या का पैमाना इतना बड़ा है कि प्रत्येक मामले में जोखिम की पहचान और समयबद्ध जांच महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत ने लापता बच्चों को खोजने और उनकी सुरक्षा के लिए पिछले वर्षों में कई संस्थागत और डिजिटल व्यवस्थाएं विकसित की हैं। गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को लापता बच्चों के मामलों में कार्रवाई के लिए कई एडवाइजरी जारी की हैं। इनमें 2013 की वह एडवाइजरी भी शामिल है, जिसका स्पष्ट उद्देश्य लापता बच्चों को ट्रेस करना और मानव तस्करी को रोकने के उपाय करना था। बाद में भी बच्चों के अपहरण, किशोरियों की गुमशुदगी और बाल अपराध से जुड़े मामलों पर अलग-अलग दिशा-निर्देश जारी

किए गए। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के स्तर पर ट्रैकचाइल्ड जैसी व्यवस्था लंबे समय से लापता और बरामद बच्चों की जानकारी को जोड़ने का काम करती रही है। अब व्यवस्था को और आगे बढ़ाते हुए जुलाई 2026 में ट्रैकचाइल्ड और खोया-पाया को यूनिफाइड मिशन वात्सल्य पोर्टल में एकीकृत किया गया है। इस पोर्टल को सीसीटीएनएस से भी जोड़ा गया है, जिससे लापता बच्चों से संबंधित एफआईआर और मिशन वात्सल्य के रिकॉर्ड के बीच डेटा मिलान संभव हो सके। इसमें गृह मंत्रालय, रेलवे, राज्य सरकारों, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड और अन्य संस्थाओं की भागीदारी है। राज्यों और जिलों में गुम बच्चों के लिए नोडल अधिकारियों की व्यवस्था भी की गई है। अर्थात आज भारत के पास कानून भी है, डिजिटल प्लेटफॉर्म भी और संस्थागत तंत्र भी। अब सवाल यह है कि इन व्यवस्थाओं का इस्तेमाल केवल बच्चे को खोजने तक सीमित है या इससे आगे भी जाता है? गुमशुदगी और तस्करी- दोनों को एक मानना सबसे बड़ी गलती होगी। यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य समझना जरूरी है।

वर्ग पहेली 6223

1	2	3		4	5	6
7				8		
9			10	11		
		12		13		14
15	16		17			
18			19			20
	21	22				
23				24		

संकेत: बाएं से दाएं

- थाईलैंड में रामगुण का यह थाई वर्जन है जो इस नाम से जाना जाता है (4)
- लावा का टंडा होकर ठोस टुकड़ों में बदलने की क्रिया यह कहलाती है (3)
- आक्रमण, चढ़ाई, वार करने की क्रिया या भाव (3)
- स्त्रिंश, दशा, अवस्था (3)
- जल निसल, तलवा, निम्न भाग (2)
- अज्ञान अधिकार, तमोगुण, भीम साहनी का एक चर्चित उपन्यास (3)
- शास्त्रीय संगीत में पंचम स्वर (1)
- मवेशी, ढोर, पशु (4)
- उन्नीस या वैभव के दिन, बढती का समय, अष्टम्य काल (2)
- शरीर के संवेदी अंगों में से एक, नासिका (2)
- रस्म, प्रथा, रिवाज, नियम (3)
- इधर-उधर, कोने-कोन में (5)
- नाच का पित्त यह कहलाता है (4)
- लिफ्ट, लिफ्टने वाला, लेखक (3)
- दुःखान्त्या, तारुव्य (3)

ऊपर से नीचे

- वर्तमान दौर यह शाहर मूलतः, इंदौर का

निवासी है (6)

- काई गुड़ बात, माजरा, मुकदमा (3)
- दुर्ग, कोटा, फोर्ट (2)
- राजा या देवता के बैठने का आसन (4)
- कश्मीर की एक प्रसिद्ध झील (2)
- कुछ लाल या सुन्ही लिए हुए (4)
- मनोरंजन करना, आनंद-प्रमोद करना (5)
- मौजूदगी, विद्यमानता (3)
- रति के पति होने के कारण कामदेव का एक नाम, मदन, मनोज (4)
- ध्वनि करना, बजाना, धनकना (3)
- सिंहार की तरह का एक वाद्य (3)
- प्रभु, परमेश्वर (2)

वर्ग पहेली 6222 का हल

ज	म्हू	क	रही	र	सं	ग
व		म		ख	म	वे
त	रही	र		व		द
	ड		अ	न	म	न
अ	न	व	न	हे		सु
छ		त	व	यु	त	न
फे	म	वा	र		मा	ख
स		न	त	षा	त	न

कर्ज की वसूली हो लेकिन कानून की हद में

डॉ. सत्यवान सौरभ

कर्ज लेना एक आर्थिक अनुबंध है। कर्ज की राशि निर्धारित समय पर वापस न मिलने की स्थिति में बैंक या वित्तीय संस्था को अपनी बकाया राशि वसूलने का अधिकार है लेकिन यह अधिकार असिमित नहीं है। कर्ज की वसूली के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया कानून, ऋण समझौते और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुरूप होनी चाहिए। किसी व्यक्ति के ऊपर कर्ज बकाया होने का अर्थ यह नहीं है कि वित्तीय संस्था उसके साथ बलपूर्वक, अमानवजनक या मनमाने तरीके से व्यवहार कर सकती है। सर्वोच्च न्यायालय का हालिया फैसला इसी महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करता है। मामला उत्तर प्रदेश के हरि दत्ता शर्मा से संबंधित है। उन्होंने वर्ष 2019 में टाटा एसएफसी 407 ट्रक खरीदने के लिए चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से वाहन ऋण लिया था। ट्रक उनके लिए केवल एक वाहन नहीं था बल्कि उनकी निष्पत्ति का महत्वपूर्ण साधन था। ऋण की कुछ किस्तें बकाया होने के बाद वित्तीय संस्था और ऋणग्राही के बीच विवाद उत्पन्न हुआ। शर्मा का आरोप था कि 9 अप्रैल 2023 की रात लगभग एक बजे कुछ लोग उनके वाहन को जबनर ले गए। आरोप यह भी था कि वाहन का स्टैयरिंग लॉक तोड़ा गया और निष्क्रिय प्रक्रिया का पालन किए बिना ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया गया। इसके बाद वाहन को बेच दिया गया। मामला पहले उच्च न्यायालय पहुंचा, जहां याचिका खारिज कर दी गई। इसके बाद पीठिउ ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। हरि दत्ता शर्मा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य, 2026 आईएनएससी 998 में सर्वोच्च

न्यायालय ने पूरे मामले को केवल इस दृष्टि से नहीं देखा कि ऋण की किस्तें बकाया थीं। न्यायालय ने इस बात पर विशेष ध्यान दिया कि बकाया राशि की वसूली के लिए किस प्रकार की प्रक्रिया अपनाई गई। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि ऋणदाता को अपने वैध अधिकारों का प्रयोग करने की अनुमति है लेकिन अधिकार का इस्तेमाल कानून की सीमा के भीतर ही किया जा सकता है। किसी वित्तीय संस्था का ऋण वसूलने का अधिकार उसे बलपूर्वक वाहन छीनने या कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं देता।

ऋण की वसूली और व्यक्ति की गरिमा, दोनों के बीच कानूनी संतुलन आवश्यक है। इस मामले में ऋण समझौते में वाहन का कब्जा लेने से पहले सात दिन का नोटिस देने का प्रावधान था। न्यायालय ने पाया कि वाहन जब्त करने से पहले इस प्रावधान के अनुसार सात दिन का नोटिस नहीं दिया गया था। इसके अतिरिक्त वाहन को रात लगभग एक बजे ले जाने और स्टैयरिंग लॉक तोड़ने की घटना ने भी मामले को गंभीर बना दिया। न्यायालय ने इस प्रकार की कार्रवाई को विधिसम्मत और शांतिपूर्ण कब्जे की प्रक्रिया के अनुरूप नहीं माना। यहां यह समझना भी जरूरी है कि सात दिन का नोटिस हर प्रकार के वाहन ऋण की जब्ती के लिए सार्वभौमिक कानूनी नियम के रूप में निर्धारित नहीं किया गया है। इस मामले में सात दिन की अवधि संबंधित ऋण समझौते में निर्धारित थी। इसलिए इस फैसले का सही अर्थ यही है कि यदि ऋण समझौते में किसी निश्चित प्रक्रिया या नोटिस का प्रावधान है तो वित्तीय संस्था को उसका पालन करना होगा।

आज का राशिफल



मेष

आज खचों पर नजर और काम में सुधार दिखेगा। पैसों की स्थिति सुधारने के लिए पुराने खचों का हिसाब देखना सही रहेगा। रुके हुए बिल, बकाय और जरूरी खचों पर ध्यान दें। तनाव में आकर अनाक खरीदारी करने से बचें। आपकी सही समझ फालतू खर्च आसानी से रोक लेगी।



वृष

आज निवेश, कर्ज या परिवार के पैसों से जुड़े मामलों पर ध्यान देना होगा। किसी के कहने पर तुरंत कोई फैसला न लें। कागजात की बातें समझकर ही आगे बढ़ें, जल्दबाजी में पैसा लगाना आपके लिए ठीक नहीं रहेगा। अपनी असली ताकतों पर भरोसा रखने से दफ्तर में आपका सम्मान बढ़ेगा।



मिथुन

आज भविष्य में पैसे सुरक्षित रखने की सोच मन में आएगी। बचत बढ़ाने और फालतू खर्च रोकने के मौके मिलेंगे। मंगलदेव के असर से जल्दबाजी न करें। पैसों से जुड़ा कोई भी कदम पूरे हिसाब-किताब के साथ ही उठाएं। काम के लिहाज से दिन व्यस्त रहेगा।



सिंह

आज दिखावे से दूरी और जिम्मेदारियों की समझ दिखाएं। धीरे-धीरे बढ़े हुए छोटे खर्चों पर नजर रखें। अपनी असली जरूरतों के हिसाब से बजट बनाएं, केवल दिखावे या नाम के लिए पैसा खर्च करने से आज आपको बचना चाहिए। पुराने अटकें काम निपटाने और दफ्तर के वादों को समय पर पूरा करने के लिए दिन अच्छा है।



कर्क

आज लंबे समय की सोच और दफ्तर में मान सम्मान मिलेगा। पैसों के मामले में समझदारी भरी सोच देंगे। बचत की पुरानी योजनाओं को बेहतर बनाने और घर के खर्चों का सही नियम तय करने से आने वाले समय में आर्थिक मजबूती बनी रहेगी। दफ्तर में आपकी समझ की तारीफ होगी।



तुला

आज बजट में संतुलन और मिटास भरी बोली से लाभ होगा। अपनी पसंद की चीजों पर खर्च करने का मन हो सकता है। खुद की खुशी के लिए खर्च करना ठीक है, पर अपने बजट में रहें। पैसों की प्राथमिकताओं का ध्यान रखने से संतुलन बना रहेगा। आपकी मीठी बोली और बातचीत की कला आज सबसे बड़ी ताकत बनेगी।



धनु

आज पैसों के बड़े फैसलों में सावधानी रखें। बड़े खर्चों के चक्कर में छोटे-छोटे भुगतानों और बजट की अनदेखी न करें। नए वादे करने से पहले अपनी पुरानी जिम्मेदारियों और बचत का हिसाब जरूर पूरी तरह लगा लें। धीरज से काम करना और आगे की तैयारी करना करियर को मजबूती देगा।



कुंभ

आज समझदारी से कदम और नई राह सामने आएगी। पैसों की व्यवस्था को थोड़ा नियम में लाने की जरूरत होगी। कोई भी फैसला लेने से पहले अपने सभी रास्तों की अच्छे से जांच कर लें। दफ्तर के साझे कामों और जिम्मेदारियों को गहराई से देखने का मौका मिलेगा। सहकर्मियों से बातचीत साफ रखें।



वृश्चिक

आज छुपे खर्चों की जांच और शांत मेहनत रंग लाएगी। बचत और आने वाले खर्चों को लेकर साफ रहें। घबराहट में कोई फैसला न लें, सही जानकारी देखकर ही आगे बढ़ना सही रहेगा। दफ्तर का माहौल समझने की आपकी समझ आज बहुत अच्छी रहेगी। अपनी बातें हर किसी के सामने न कहें।



मकर

आज समय नियम से बचत और जिम्मेदारी का अहसास दिलाएगा। फालतू खर्च कम करके बचत की सही योजना बनाई जा सकती है। केवल ऊपर से अच्छे दिखने वाले मौके में पैसा लगाने का जोखिम न लें। दफ्तर में साथियों और बड़े अधिकारियों के साथ तालमेल अच्छा रहेगा।



मीन

आज आपकी सोच अपनी जरूरतों और भविष्य के खर्चों के बीच संतुलन बनाने की सोच रहेगी। जल्दबाजी से बचने की सलाह दे रहे हैं। पुरानी योजनाओं को फिर से देखें, थोड़ा-थोड़ा सुधार भी आपको मजबूत बनाएगा। साझीदारी के काम और दफ्तर के रिश्तों पर ध्यान रहेगा। साथियों के साथ अपनी बात साफ रखें।

संक्षिप्त

समाचार

नीट-यूजी पेपर लीक मामले: कोचिंग सेंटर मालिक के बेटे पर एनटीए की बड़ी कार्रवाई, दो साल तक परीक्षा देने पर रोक

लातूर, एजेंसी। नेशनल टैस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने लातूर के कोचिंग सेंटर के मालिक और पेपर लीक मामले के आरोपी शिवराज मोटेगावकर के बेटे को दो साल तक नीट- यूजी परीक्षा में बैठने से रोक दिया है। इस साल के नीट- यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई की ओर से गिरफ्तार किए गए मोटेगावकर अभी न्यायिक हिरासत में है। एनटीए की 19 सितंबर की सूचना के अनुसार, इस साल की शुरुआत में हुई परीक्षा के लिए उनके बेटे आदित्य मोटेगावकर का रिजल्ट रोक दिया गया है और उसे नीट-यूजी 2027 में बैठने के लिए भी अयोग्य घोषित कर दिया गया है। सीबीआई के अनुसार, शिवराज मोटेगावकर ने कथित तौर पर केमिस्ट्री के सवाल हासिल करने के लिए पीवी कुलकर्णी को 5 लाख रुपये दिए थे। कुलकर्णी एनटीए के उस पैनल में शामिल थे, जिसने परीक्षा के लिए सवाल तैयार किए थे। एजेंसी का आरोप है कि उनका बेटा कुलकर्णी की कोचिंग क्लास में जाता था, जहां ये सवाल दिए जाते थे। 21 जून को नीट- यूजी का दोबारा टेस्ट करने के बाद, एनटीए ने आदित्य मोटेगावकर का रिजल्ट रोक दिया और कथित अनियमितताओं पर उनसे स्पष्टीकरण मांगा। अपने जवाब में, उन्होंने परीक्षा के दौरान किसी भी अनुचित तरीके का इस्तेमाल करने से इनकार किया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें भेजा गया नोटिस 3 मई की परीक्षा में कथित अनियमितताओं से संबंधित था और सवाल उठाया कि बाद में हुए दोबारा टेस्ट में उनका रिजल्ट क्यों रोक़ा गया।

बासनी केमिकल फैक्ट्री अग्निकांड में 13 फायरकर्मী झुलसे

जोधपुर, एजेंसी। बासनी औद्योगिक क्षेत्र स्थित श्रमिक कॉलोनी की केमिकल फैक्ट्री में बुधवार शाम भीषण आग लग गई। आग बुझाने के दौरान केमिकल ड्रम में जोरदार धमाका होने से 13 फायरकर्मी झुलस गए। सभी घायलों को उपचार के लिए महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राज्य मंत्री के.के. बिस्नोई और जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली ने महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचकर घायल फायरकर्मियों का हाल जाना तथा चिकित्सकों से उपचार की जानकारी ली। दोनों नेताओं ने घटना की पूरी जानकारी राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री को भी दी और घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही। प्रशासन और दमकल विभाग की टीमें आग पर नियंत्रण तथा हादसे के कारणों की जांच में जुटी हैं। नेताओं ने सभी घायल फायरकर्मियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

यूपी: सपा मुखिया अखिलेश यादव का समाजवादी रथ लखनऊ से रायबरेली के लिए रवाना, लिखा- जो पीड़ित, वो पीड़ीए



लखनऊ , एजेंसी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का समाजवादी रथ बृहस्पतिवार को राजधानी लखनऊ से रायबरेली के लिए निकला। विधानसभा चुनाव 2027 से पहले सपा मुखिया की रथ से यह पहली यात्रा है। रास्ते में वह विधायक राहुल लोधी के आवास पर चाय भी पिंपेंगे। समाजवादी पार्टी का ‘पीड़ीए रथ’ (समाजवादी रथ) उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले जनता तक पहुंचने और राजनीतिक जमीन मजबूत करने के लिए तैयार किया गया एक आधुनिक सुविधाओं से लैस विशेष प्रचार वाहन है। उधर, रायबरेली पहुंचने से पहले शहर में जगह-जगह अखिलेश यादव के खिलाफ पोस्टर लगाए गए। इन पोस्टरों लिखा- लात टोपी, साइकिल... यही है गुंडों की पहचान। वहीं, दूसरे पोस्टर में ‘योगी राज में कानून से गुडई नहीं चलेगी’ लिखा गया। सपा मुखिया के आगमन से पूर्व यह पोस्टरबाजी राजनीतिक सरगमों बढा रही है।

बंगाल सरकार स्टूडेंट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी के चलते 250 मदरसों को बंद करेगी

कोलकाता, एजेंसी। आधारभूत सरचना की भारी कमी और छात्रों की घटती संख्या के चलते नबन्ना को राज्य के मदरसों को लेकर सख्त कदम उठने पर मजबूर होना पड़ा. साल के आखिर तक राज्य सरकार लगभग 300 और मदरसों को हमेशा के लिए बंद करने वाली है. कम से कम 250 सरकारी मान्यता वाले प्राइवेट मदरसे, जिनमें सही इंफ्रास्ट्रक्चर और स्टूडेंट्स की कमी है, इस आने वाले दिसंबर तक बंद होने वाले हैं.

एडमिनिस्ट्रेशन ने पहले ही गड़बड़ियों के आरोप में सी और मदरसों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. इन संस्थानों को पूजा की छुट्टियों से पहले अपना जवाब देने का निर्देश दिया गया है.

एडमिनिस्ट्रिटिव सूत्रों के मुताबिक इस बात की पूरी संभावना है कि इन सी मदरसों से से कम से कम पचास मदरसे हमेशा के लिए बंद हो जाएंगे. कुल मिलाकर, दिसंबर तक लगभग तीन सौ मदरसे हमेशा के लिए बंद हो जाएंगे. मदरसा शिक्षा में पारदर्शिता लाने और इसकी गुणवत्ता सुधारने को लेकर प्रशासन का रवैया लंबे समय से सख्त रहा है. नबन्ना के सूत्रों ने साफ कहा है कि 'खारिजी' मदरसों को किसी भी हालत में राज्य में चलने नहीं दिया जाएगा. साथ ही सरकार से मान्यता प्राप्त प्राइवेट मदरसों, जिनमें पढ़ने-लिखने के लिए मिनिमम इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है, उन्हें अब बख्शा नहीं जाएगा. राज्य भर में 252 मदरसों को पूरी



तरह से बंद करने के लिए पहले ही सख्त कदम उठाए जा चुके हैं. बंद किए गए मदरसों की लिस्ट में नॉर्थ बंगाल से लेकर साउथ बंगाल तक कई जिले शामिल हैं. ये मदरसे- जिनमें सही इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी थी, कृच बिहार, जलपाईगुड़ी, अलीपुरचर, नॉर्थ और साउथ दिनाजपुर, और मालदा जैसे उत्तरी जिलों के साथ-साथ मुर्शिदाबाद,

सेवा संकल्प यात्रा: प्रतिभागियों से प्रधानमंत्री मोदी ने की बातचीत, कहा- सेवा हमारा मुख्य मकसद होना चाहिए



कितनी भी राजनीतिक ताकत क्यों न मिल जाए, रास्ता सेवा का ही होना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, 'हमारा व्यवहार लोगों को यह दिखाना चाहिए कि चाहे हमें कितनी भी बड़ी राजनीतिक ताकत क्यों न मिले, हमारा रास्ता सेवा का ही रहता है।'

यात्रियों से पीएम मोदी ने क्या कहा : पीएम मोदी ने कहा, 'हम सेवा के इस रास्ते से कभी नहीं भटकेगे। हम चाहे कितनी भी बड़ी ऊंचाइयां हासिल कर लें, हम हमेशा 'सेवा परमो धर्म' (सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है) के सिद्धांत का पालन करते हुए आगे बढ़ेंगे। कुल 35,500 किलोमीटर की दूरी 20 टीमें तय करेंगी, जिनका एक ही संकल्प होगा - 'सेवा'।

क्या है सेवा संकल्प यात्रा : यह पीएम मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन को उजागर करने वाले बड़े सेवा संकल्प अभियान का हिस्सा है। इसमें शामिल लोग कस्बों, जिलों, तालुकों और गांवों की यात्रा

कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक सेवा और लोगों की भागीदारी वाली गतिविधियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाना है। बता दें कि 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक, ये टीमें वडनगर से वाराणसी और वाराणसी से वडनगर तक का सफर करेंगी। उन्होंने एक ऐसी यात्रा शुरू की है जो सिर्फ एक मोटरसाइकिल यात्रा से कहीं ज्यादा है। वे कस्बों, जिलों, तालुकों और गांवों से गुजरते हुए सेवा की भावना को जमीनी स्तर तक पहुंचा रहे हैं। यह पीएम मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन को उजागर करने वाले बड़े सेवा संकल्प अभियान का हिस्सा है। पीएम मोदी ने कहा कि काशी में बाबा विश्वनाथ जी का आशीर्वाद है और वडनगर, हाटकेश्वर महादेव के आशीष की भूमि है। आप सभी इन दोनों शहरों के बीच सेवा का इतना बड़ा अभियान चला रहे हैं। अभी मुझे कुछ साथियों से बात करने का मौका भी मिला। जो वडनगर से निकले हैं और वाराणसी की तरफ बढ़ रहे हैं, आपको अनुभव सुनकर ऐसा लग रहा है कि जैसे मैं भी आपके साथ-साथ चल रहा हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सेवा भाव से काम होता है तो उसका असर दिखता है। उन्होंने कहा, 'जब हम सेवाभाव से काम कर रहे हैं, जब हम सेवाभाव का भाव होता है, तब करोड़ों जरूरतमंदों को मुफ्त अनाज मिलता है। जब सेवा का भाव होता है, तो अशुभमान योजना जन्म लेती है। और इन दोनों शहरों से निकलते हुए आप

लोगों ने रास्ते भर में देखा होगा कि सेवा के कामों को हमने कैसे आगे बढ़ाया है। उन्होंने अपने संगठन को दिनों को याद करते हुए कहा, 'जब मैं संगठन के स्तर पर काम कर रहा था, तो मुझे यात्राओं पर जाने का अनुभव था। जब मैंने खुद यात्रा की, तो मुझे पहसास हुआ कि कितनी चुनौतियां और कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। फिर भी, आप सभी ने इस काम को बड़े समर्पण के साथ आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'चाहे पीएम-किसान हो या पीएम सूर्य घर योजना, ऐसी अनगिनत योजनाओं को उनकी 'लास्ट-माइल डिलीवरी' (अंतिम छोर तक सेवा पहुंचाने) के लिए जाना जाता है। सेवा ही सबसे बड़ा प्रेरक शक्ति है। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी विकसित भारत की निर्माता भी है और यही पीढ़ी एक बड़ी लाभार्थी भी होगी। इस दायित्व को निभाने के लिए भारत को जमीन पर जानना, समझना, देश की हर बारीकियों को अनुभव करना, अलग-अलग क्षेत्रों, सामाजिक वर्गों से मिलना, उनके सपनों से परिचित होना, उनकी आकांक्षाओं को समझना, उनकी बातों को जानना। ये सारी बातें बहुत जरूरी हैं और इसमें सेवा संकल्प यात्रा निश्चित रूप से आपके जीवन में अहम भूमिका निभाने वाली है। उन्होंने कहा, 'राजनीति अपनी जगह है, चुनाव अपनी जगह पर हैं। शासन व्यवस्थाएं अपनी जगह पर हैं। हम तो राष्ट्र निर्माण के लिए निकले हुए लोग हैं।

दुर्गापूजा से पहले कर्मचारियों के लिए बड़ा तोहफा, एकमुश्त मिलेगा 8 साल का महंगाई भत्ता

कोलकाता, एजेंसी। नबन्ना ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए एक बड़ा ऐलान किया है. लंबे इंतजार के बाद राज्य सरकार ने 2008 से 2015 के बीच का बकाया महंगाई भत्ता (इ) देने का फैसला किया है. इस बारे में बुधवार को फाइनेंस डिपार्टमेंट की ऑडिट ब्रांच ने एक नोटिफिकेशन जारी किया. इसमें कहा गया है कि तय समय का बकाया डीए एक ही इंस्टॉलमेंट में दिया जाएगा.

नोटिफिकेशन में क्या कहा गया है : नोटिफिकेशन में साफ़ किया गया है कि 1 अप्रैल, 2008 से 31 दिसंबर, 2015 तक के समय का बकाया डीए (इ) जो 100फीसदी न्यूट्रलाइजेशन या अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर कैलकुलेट किया गया है. इसे एक ही इंस्टॉलमेंट में दिया जाएगा. इससे पहले मार्च 2026 में जारी दो नोटिफिकेशन में 1 जनवरी, 2016 से 31 दिसंबर, 2019 तक के समय के बकाया डीए के पेमेंट के बारे में बताया गया था. बकाया डीए का यह नया पेमेंट उन पहले के नोटिफिकेशन के हिसाब से किया जाएगा. कर्मचारी कैटेगरी के हिसाब से अलग-अलग नियम बनाए गए हैं. नोटिफिकेशन के मुताबिक, ग्रुप 'ए', ग्रुप 'बी' और ग्रुप 'सी' के सरकारी कर्मचारियों का बकाया डीए सीधे उनके जनरल प्रोविडेंट फंड अकाउंट में जमा किया जाएगा. इसके उलट, ग्रुप 'डी' के कर्मचारियों का बकाया डीए सीधे उनके बैंक अकाउंट में केश में दिया जाएगा. हालांकि

रिटायरमेंट के करीब कर्मचारियों के लिए नियमों में थोड़ा बदलाव किया गया है. नोटिफिकेशन में कहा गया है, 'जिस कर्मचारी का फाइनल जनरल प्रोविडेंट फंड सेटलमेंट बाकी है-मतलब उनके रिटायरमेंट में तीन महीने या उससे कम समय बचा है-उसका बकाया डीए सीधे उनके बैंक अकाउंट में जमा किया जाएगा. इसे किसी भी महीने में जनरल प्रोविडेंट फंड अकाउंट में क्रेडिट नहीं किया जाएगा।

फाइनेंस डिपार्टमेंट ने जनरल प्रोविडेंट फंड अकाउंट में जमा बकाया पैसे निकालने के लिए एक खास समय सीमा तय की है. निर्देश में कहा गया है कि बकाया महंगाई भत्ता की रकम 31 मार्च, 2028 से पहले एडवांस या फाइनल सेटलमेंट के तौर पर नहीं निकाली जा सकती. हालाँकि, यह नियम उस तारीख से पहले किसी कर्मचारी के रिटायरमेंट, मौत या इस्तीफे की स्थिति में लागू नहीं होगा. इसके अलावा, जनरल प्रोविडेंट फंड निकालने से जुड़ी मौजूदा पाबंदियों को बदला गया है और 31 मार्च, 2028 तक बढ़ा दिया गया है. ड्रॉइंग और डिबॉर्सिंग ऑफिसर को फंड देने से पहले सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं. उन्हें यह पक्का करना होगा कि बकाया महंगाई भत्ता और कैलकुलेशन सर्विस और पे रिर्कार्डों से सही तरह से मेल खाता हो. इनकम टैक्स के बारे में भी सख्त निर्देश जारी किए गए हैं. ड्रॉइंग और डिबॉर्सिंग ऑफिसर को पेमेंट करने से पहले मौजूदा नियमों के अनुसार इनकम टैक्स काटना होगा।

आईआईटी बॉम्बे छात्र आत्महत्या मामले: राहुल गांधी ने साहिल के परिजनों से की बात, न्याय के लिए दिया मदद का भरोसा



नई दिल्ली, एजेंसी। आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की मौत का मामला अब राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर भी चर्चा में है। महाराष्ट्र कांग्रेस के मुताबिक, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने साहिल के परिवार से फोन पर बात की और न्याय की मांग में हर संभव मदद का भरोसा दिया। साहिल के परिवार ने आईआईटी बॉम्बे प्रशासन और कुछ अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले की जांच मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच कर रही है और परिवार ने नामजद लोगों की गिरफ्तारी की मांग की है।

राहुल गांधी ने साहिल के परिवार से क्या कहा : महाराष्ट्र कांग्रेस के अनुसार, राहुल गांधी ने साहिल के परिवार से फोन पर बातचीत की। उन्होंने परिवार को न्याय की लड़ाई में समर्थन देने और हर संभव मदद का भरोसा दिया।

साहिल के परिवार का कहना है कि उनके बेटे ने मौत से कुछ दिन पहले फोन पर जाति के आधार पर कथित भेदभाव और अपमान की शिकायत की थी। परिवार ने इसी आधार पर आईआईटी बॉम्बे के कुछ अधिकारियों और शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इन आरोपों की जांच अभी जारी है।

साहिल के परिवार ने किन लोगों पर कार्रवाई की मांग की : साहिल के माता-पिता रविंद्र वाकोडे और सोनाली वाकोडे मंगलवार को मुंबई क्राइम ब्रांच के कार्यालय पहुंचे

थे। उन्होंने प्रोफेसर सूर्यनारायण झूला और आईआईटी बॉम्बे के निदेशक श्रीरथ केदारे के खिलाफ तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। परिवार का आरोप है कि साहिल को जाति के आधार पर अपमान और दबाव का सामना करना पड़ा था। प्रोफेसर झूला का नाम दर्ज एफआईआर में है और उन पर आत्महत्या के लिए उसकासे उठा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत आरोप दर्ज किए गए हैं।

साहिल की मौत से पहले क्या हुआ था : साहिल महाराष्ट्र के यवतमाल जिले का रहने वाला 22 वर्षीय छात्र था और आईआईटी बॉम्बे के उर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग में दूसरे वर्ष में पढ़ रहा था। परिवार के अनुसार, उसने 13 सितंबर को अपने माता-पिता से मुलाकात की थी और कुछ दिन बाद फोन कर कथित जातिगत भेदभाव

की शिकायत की। 18 सितंबर को वह पर्व परिसर स्थित छात्रवास के कमरे में मृत मिला। इसके बाद परिवार की शिकायत पर मामला दर्ज हुआ और 19 सितंबर को जांच मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई। मामले को लेकर परिसर में छात्रों ने प्रदर्शन भी किए। साहिल की मौत के बाद आईआईटी बॉम्बे ने पहले एक बयान में परीक्षा में चैटजीपीटी के इस्तेमाल और कथित नकल से जुड़ी बात कही थी। बाद में संस्थान ने अपने उस बयान को वापस लेते हुए माफी मांगी। संस्थान ने कहा कि मौत से पहले की घटनाओं का विवरण जांच पूरी होने से पहले तय करना उचित नहीं था। इसके बाद प्रोफेसर सूर्यनारायण झूला को प्रशासनिक मामलों के डीन पद से हटा दिया गया और बाद में जांच को निष्पक्ष बनाने के लिए उन्हें अवरकाश पर भेजे जाने की जानकारी सामने आई।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शराब पर बैन, कश्मीरी पंडितों की वापसी समेत प्राइवेट बिल पेश होंगे

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा आज एक दिन की छुट्टी के बाद टीचर्स को टीचर एलिजबिलिटी टेस्ट से छूट देने के प्रस्ताव पर चर्चा के लिए फिर से बहस शुरू होगी. 35 विधायक प्राइवेट मेंबर्स बिल पेश करेंगे जिनमें शराब की बिक्री पर बैन, केंद्र शासित प्रदेश के निवासियों की जमीन और रोजगार के अधिकारों की सुरक्षा, कश्मीरी पंडितों की घाटी में वापसी और फिर से बसाना शामिल है. जम्मू- कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जिनके पास हार्डसिंग और अर्बन डेवलपमेंट डिपार्टमेंट का पोर्टफोलियो भी है, जम्मू- कश्मीर यूनियनिसपल एक्ट, 2000 में बदलाव के लिए एक बिल पेश करेंगे. विधानसभा में प्रश्नकाल होगा, जिसके बाद चार विधायकों द्वारा ध्यानकर्षण प्रस्ताव और शिक्षा मंत्री सकीना इद्र द्वारा पेश किए गए टीईटी छूट प्रस्ताव पर आगे चर्चा होगी.

पहले दो दिनों में विधानसभा में हंगामा हुआ क्योंकि विपक्षी भारतीय जम्मू-कश्मीर में शराब की बिक्री, इस्तेमाल, स्टोरेज और ट्रांसपोर्टेशन पर पूरी तरह बैन लगाने की मांग करते हुए प्राइवेट मेंबर बिल लाएंगे ताकि घाटी की सामाजिक, धार्मिक और सुरक्षा से जुड़ी सेंसिटिविटी को ध्यान में रखा जा सके. बड़ापम से विपक्षी पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के



विधायक आगा सैयद मुंतजिर मेहदी, कश्मीरी माइग्रेंट्स, खासकर कश्मीरी पंडितों की सुरक्षित, वॉलंटरी, इज्जतदार और टिकाऊ वापसी और रीइंटिग्रेशन के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू- कश्मीर में एक कानूनी डी-इंटिग्रेशन कमीशन बनाने के लिए एक बिल लाएंगे. इंस्टीट्यूशनल, कल्चुरीटी-वेरड और अधिकारों पर आधारित तरीकों से मेल-मिलाप, सामाजिक सुधार, सांस्कृतिक बहाली और साथ रहने को आसान बनाना.

सत्ताधारी पार्टी नेशनल कॉन्ग्रेस के विधायक अल्ताफ अहमद वानी केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के रहने वालों की जमीन और रोजगार के अधिकारों की सुरक्षा और वहां के लोगों के सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और डेमोग्राफिक हितों से समझौता किए बिना विकास पक्का करने के लिए एक बिल पेश करेंगे.

पीडीडी के विधायक वहीद उर रहमान पारा केंद्र शासित प्रदेश जम्मू- कश्मीर में राज्य की जमीन का मालिकाना हक लंबे समय से रहने वालों को देने, टूरिज्म से जुड़ी जमीन और दूसरी जमीनों के कब्जे को रोकल करने और जमीन के मालिकाना हक के ट्रांसफर में ट्रांसपेरेंसी और फेयरनेस पक्का करने के लिए एक बिल पेश करेंगे।



रोनाल्डो पुर्तगाल के लिए कब तक खेलेंगे! भविष्य पर दिया बड़ा बयान

....तो मैं अपना सूटकेस उठाऊंगा और चला जाऊंगा

लिस्बन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर स्थिति साफ कर दी है। 41 वर्षीय स्टार फुटबॉलर ने कहा कि जब तक राष्ट्रीय टीम को उनकी जरूरत है, वह खेलते रहेंगे। हालांकि, जिस दिन उन्हें लगेगा कि वह टीम के लिए योगदान नहीं दे पा रहे हैं या टीम उन्हें नहीं चाहती, वह सबसे पहले खुद टीम छोड़ देंगे।

रोनाल्डो ने जुलाई में फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 में पुर्तगाल के स्पेन से बाहर होने के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य की पुष्टि नहीं की थी। हालांकि, नए मुख्य कोच जॉर्ज जेसस की पहली पुर्तगाल टीम में उन्हें शामिल किए



जाने से साफ हो गया कि वह अभी राष्ट्रीय टीम के लिए उपलब्ध हैं। वेल्स के खिलाफ मुकाबले से पहले रोनाल्डो ने अपने भविष्य को लेकर कहा, 'जब भी वे कहेंगे कि वे मुझे राष्ट्रीय टीम में नहीं चाहते, मैं सबसे पहले जाने वाला व्यक्ति बनूंगा। जब मुझे लगेगा कि मैं टीम में कुछ नहीं जोड़ रहा हूँ या माहौल खराब कर रहा हूँ, तो मैं सबसे पहले चला जाऊंगा। मैं अपना सूटकेस उठाऊंगा और चला जाऊंगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'पुर्तगाल के लोग मुझ पर भरोसा करते हैं। इसी वजह से मैं अभी यहां हूँ। सिर्फ आंकड़ों को देखिए, मुझे यकीन है कि आप कुछ गणना कर सकते हैं।'

मैं अभी भी अच्छा कर रहा हूँ। जिस दिन उन्हें मुझ पर भरोसा नहीं रहेगा, कोई समस्या नहीं है, मैं चला जाऊंगा। मैं हमेशा इस महासंघ का नंबर एक प्रशंसक रहूंगा।'

विश्व कप के बाद संन्यास

पर किया था विचार

रोनाल्डो ने माना कि विश्व कप से बाहर होने के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से हटने के बारे में विचार किया था। हालांकि, पुर्तगाल के राष्ट्रपति पेड्रो प्रोएंका और कोच जॉर्ज जेसस के साथ बातचीत के बाद उन्होंने खेलना जारी रखने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 'हां, मैंने ऐसा किया था। बेशक, मैं हमेशा अपने

फैसलों, अपने भविष्य और वर्तमान के बारे में सोचता रहता हूँ। मैं सोचने वाला इंसान हूँ, आपको सोचना पड़ता है। इसी वजह से आप मुझे अब यहां देख रहे हैं। इसका मतलब है कि मैं जारी रखूंगा।' रोनाल्डो ने यह भी कहा कि वह सिर्फ गोल करने के लिए नहीं, बल्कि युवा खिलाड़ियों की मदद करके भी टीम में योगदान देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे अब भी विश्वास है कि मैं राष्ट्रीय टीम को वह हासिल करने में मदद कर सकता हूँ जो वह चाहती है। मुझे लगता है कि मैं राष्ट्रीय टीम को अपना समर्थन दे सकता हूँ, सिर्फ गोल के जरिए नहीं, बल्कि मैदान के बाहर भी।'

रोहित मेरी सोच जानते हैं, मैं उनकी सोच जानता हूँ

रोहित के साथ रिश्ते पर गंभीर ने तोड़ी चुप्पी: अनबन की खबरों पर पहली बार दिया बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट

टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने रोहित

शर्मा के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर

बात की है। उन्होंने कहा कि रोहित के साथ

उनका रिश्ता सिर्फ कप्तान और कोच का नहीं

रहा है। दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को जानते

हैं और साथ खेलने के कारण एक-दूसरे की सोच

को भी अच्छी तरह समझते हैं। गंभीर और रोहित

एक बार फिर भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम में साथ

नजर आएंगे। भारत अपने घरेलू सत्र की शुरुआत रविवार

को तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन

मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले से करेगा।

गंभीर ने कहा कि रोहित के साथ उनका जुड़ाव उस समय से है, जब वह खुद टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा, 'रोहित और मेरा रिश्ता सिर्फ कप्तान और कोच का नहीं था। जब रोहित टीम में आए थे, तब मैं एक वरिष्ठ खिलाड़ी था। इसलिए रोहित और मेरा रिश्ता उसी समय से है। रोहित मुझे तब से जानते हैं। इसलिए जब आप साथ खेल चुके होते हैं तो चीजें बहुत आसान हो जाती हैं। वह मेरी सोच जानते हैं और मैं उनकी सोच जानता हूँ।'

गंभीर ने कहा कि कप्तान और कोच की सोच अलग हो सकती है, लेकिन अंतिम फैसला टीम के हित में होना सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'कल मेरी सोच कुछ और हो सकती है, कप्तान की सोच कुछ और हो सकती है, लेकिन आखिर में अगर जो फैसला लिया जाए वह टीम के हित में है, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।'

चार कप्तानों के साथ काम करने का अनुभव

जुलाई 2024 में भारतीय टीम के मुख्य कोच का पद संभालने के बाद गंभीर ने चार कप्तानों के साथ काम किया है। इनमें रोहित शर्मा, सुर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल शामिल हैं। गंभीर ने चारों के रवैये की सराहना करते हुए कहा कि सभी ने टीम को खुद से ऊपर रखा।

उन्होंने कहा, 'मैंने चार कप्तानों के साथ काम किया है- रोहित, सुर्या, अब शुभमन और श्रेयस। जिन भी कप्तानों के साथ मैंने काम किया, सभी का पहला इरादा हमेशा टीम को प्रार्थमिकता देना रहा। मैं बहुत भाग्यशाली हूँ कि मुझे ऐसे चार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, जिन्होंने हमेशा खुद से पहले टीम को रखा।'

श्रेयस और शुभमन की भी तारीफ

गंभीर ने कहा कि विचारधारा, सोच और खेल को देखने का नजरिया अलग हो सकता है, लेकिन इरादा सही होना जरूरी है। उन्होंने श्रेयस अय्यर के साथ अपने पुराने संबंध का भी जिक्र किया। गंभीर ने बताया कि वह श्रेयस के साथ केकेआर में काम कर चुके हैं और 2018 में दिल्ली की कप्तानी उन्हें सौंपते समय भी उनकी नेतृत्व क्षमता देखी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने श्रेयस के साथ केकेआर में काम किया है। उससे पहले, जब 2018 में मैंने दिल्ली के लिए श्रेयस को कप्तानी सौंपी थी, तो मुझे लगा था कि उनमें लीडरशिप के गुण हैं। अब, मुझे उनके साथ फिर से काम करने का मौका मिला है। शुभमन अभी युवा हैं। शुभमन गिल को लेकर गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड दौर पर पांच टेस्ट मैचों में कप्तानी संभालना उनके लिए बड़ी चुनौती थी। उन्होंने कहा, 'आप आपको इंग्लैंड के दौर पर पांच टेस्ट मैचों में कप्तानी दी जाती है और किसी को गहरे पानी में धकेल दिया जाता है तो या तो आप बहुत अच्छी तरह तैरकर बाहर निकलेंगे या डूब जाएंगे।'

रोनाल्डो पुर्तगाल के लिए कब तक खेलेंगे! भविष्य पर दिया बड़ा बयान

लिस्बन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर स्थिति साफ कर दी है। 41 वर्षीय स्टार फुटबॉलर ने कहा कि जब तक राष्ट्रीय टीम को उनकी जरूरत है, वह खेलते रहेंगे। हालांकि, जिस दिन उन्हें लगेगा कि वह टीम के लिए योगदान नहीं दे पा रहे हैं या टीम उन्हें नहीं चाहती, वह सबसे पहले खुद टीम छोड़ देंगे।

रोनाल्डो ने जुलाई में फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 में पुर्तगाल के स्पेन से बाहर होने के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य की पुष्टि नहीं की थी। हालांकि, नए मुख्य कोच जॉर्ज जेसस की पहली पुर्तगाल टीम में उन्हें शामिल किए जाने से साफ हो गया कि वह अभी राष्ट्रीय टीम के लिए उपलब्ध हैं।

'जब नहीं चाहेंगे, सबसे पहले

में चला जाऊंगा'

वेल्स के खिलाफ मुकाबले से पहले रोनाल्डो ने अपने भविष्य को लेकर कहा, 'जब भी वे कहेंगे कि वे मुझे राष्ट्रीय टीम में नहीं चाहते, मैं सबसे पहले जाने वाला व्यक्ति बनूंगा। जब मुझे लगेगा कि मैं टीम में कुछ नहीं जोड़ रहा हूँ या माहौल खराब कर रहा हूँ, तो मैं सबसे पहले चला जाऊंगा। मैं अपना सूटकेस उठाऊंगा और चला जाऊंगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'पुर्तगाल के लोग मुझ पर भरोसा करते हैं। इसी वजह से मैं अभी यहां हूँ। सिर्फ आंकड़ों को देखिए, मुझे यकीन है कि आप कुछ गणना कर सकते हैं। मैं अभी भी अच्छा कर रहा हूँ। जिस दिन उन्हें मुझ पर भरोसा नहीं रहेगा, कोई समस्या नहीं है, मैं चला जाऊंगा। मैं हमेशा इस महासंघ का नंबर एक प्रशंसक रहूंगा।'

विश्व कप के बाद संन्यास

पर किया था विचार

रोनाल्डो ने माना कि विश्व कप से बाहर होने के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से हटने के बारे में विचार किया था। हालांकि, पुर्तगाल के राष्ट्रपति पेड्रो प्रोएंका और कोच जॉर्ज जेसस के साथ बातचीत के बाद उन्होंने खेलना जारी रखने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 'हां, मैंने ऐसा किया था। बेशक, मैं हमेशा अपने फैसलों, अपने भविष्य और वर्तमान के बारे में सोचता रहता हूँ। मैं सोचने वाला इंसान हूँ, आपको सोचना पड़ता है। इसी वजह से आप मुझे अब यहां देख रहे हैं। इसका मतलब है कि मैं जारी रखूंगा।' रोनाल्डो ने यह भी कहा कि वह सिर्फ गोल करने के लिए नहीं, बल्कि युवा खिलाड़ियों की मदद करके भी टीम में योगदान देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे अब भी विश्वास है कि मैं राष्ट्रीय टीम को वह हासिल करने में मदद कर सकता हूँ जो वह चाहती है। मुझे लगता है कि मैं राष्ट्रीय टीम को अपना समर्थन दे सकता हूँ, सिर्फ गोल के जरिए नहीं, बल्कि मैदान के बाहर भी।' रोनाल्डो क्लब और देश के लिए कुल 979 गोल कर चुके हैं और अब 1000 गोल के ऐतिहासिक आंकड़े से सिर्फ 21 गोल दूर है।

64 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा: भारतीय हॉकी टीम की बड़ी जीत



कराटे में 100 खिलाड़ियों ने दिखाया दम, 10 ने जीते पदक

हाथरस। हाथरस के मेला श्रीदाऊजी महाराज के उपलक्ष्य में वर्ल्ड बुडो शोटोयू कराटे महासंघ के बैनर तले सातवीं श्री दाऊजी ओपन कराटे कप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते। उद्घाटन सुप्रिम कोर्ट के अधिवक्ता कुंवर रमेश रत्न ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन लाते हैं। जो खिलाड़ी जीते हैं, उन्हें बधाई और जो हारे हैं, वे निराश न होकर और अधिक मेहनत करें। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अनुराग अग्निहोत्री एडवोकेट और उप जिला क्रीड़ा अधिकारी काशी नरेश यादव उपस्थित रहे। संचालन पूर्व डीजीसी क्रिमिनल एडवोकेट वतन सिंह ने किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री डॉ. रामभाषू हरित रहे। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामवीर सिंह भैयाजी, जिला पंचायत सदस्य प्रभा सिंह, अश्वनी सिंह, एडवोकेट रतन सिंह और महासंघ के अध्यक्ष व मुख्य प्रशिक्षक शिवान एमएस समुहई ने संयुक्त रूप से विजयी प्रतिभागियों को पदक पहनाकर पुरस्कृत किया।

आज ही के दिन भारत बना था विश्व विजेता

नई दिल्ली। 24 सितंबर 2007 का दिन, दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग का वांडर्स स्टैडियम एक ऐतिहासिक मैच का गवाह बना। टी20 विश्व कप इतिहास का पहला फाइनल और आमने-सामने थे क्रिकेट की दुनिया के दो घोर विरोधी भारत और पाकिस्तान। इस मैच के विजेता को सिर्फ विश्व चैंपियन नहीं बनना था, बल्कि टी20 क्रिकेट के पहले विश्व चैंपियन के रूप में अपना नाम इतिहास में दर्ज कराना था। यह इतिहास रचा महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली भारतीय टीम ने। भारतीय टीम ने



पाकिस्तान को हराकर पहले टी20 विश्व कप की चैंपियन होने का गौरव हासिल किया था। भारत का पाकिस्तान को हराना कोई नई बात नहीं है। भारत

से हारना पाकिस्तान की आदत में शुमार हो चुका है। लेकिन, 19 साल पहले मिली यह जीत भारतीय क्रिकेट इतिहास के चंद सबसे यादगार लम्हों में से एक है। युवा कप्तान धोनी के साथ युवा खिलाड़ियों से भरी टीम ने खिताबी जीत के बाद जब तिरंगा लहराया तो करोड़ों भारतीय क्रिकेट फैंस का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। यह वह समय था, जब टी20 क्रिकेट धीरे-धीरे अपने पांव जमा रहा था। भारतीय टीम को इस प्रारूप की कमजोर टीम माना जा रहा था और चैंपियन बनने की संभावना न के बराबर जताई जा रही थी, लेकिन धोनी की कप्तानी वाली टीम ने युवा जोश के साथ होश दिखाया और खिताबी जीत हासिल की। इस जीत ने टी20 क्रिकेट और उसके रोमांच को शीर्ष स्तर पर पहुंचा दिया था।

अनाहत और तन्वी स्वचाश के क्वार्टर फाइनल में होंगी आमने-सामने

नागोया अनाहत सिंह, तन्वी खन्ना, अभय सिंह और वीर चोटरानी ने एशियन गेम्स की स्ववाश स्पर्धा के एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि जोशना चिनप्पा और वेलावन सेथिलकुमार की जोड़ी मिश्रित युगल के अंतिम आठ में पहुंची। जूनियर विश्व चैंपियन और पदक की दावेदार अनाहत ने महिला एकल में सिंगापुर की वाई इयिन औ येओंग को महज 19 मिनट में 3-0 (11-4, 11-5, 11-7) से हराकर अभियान की शुरुआत की।

सेमीफाइनल में पहुंचने पर तय नहीं होगा पदक

इसके बाद तन्वी ने भी सिंगापुर की वाई यान औ येओंग को 39 मिनट में 3-1 (5-11, 11-4, 11-5, 13-11) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इन नतीजों

के साथ महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में अनाहत और तन्वी के बीच मुकाबला तय हो गया है। पिछले एशियन गेम्स के विपरीत इस बार स्ववाश की एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों का पदक पक्का नहीं होगा। कांस्य पदक के लिए सेमीफाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ियों के बीच तीसरे-चौथे स्थान का मुकाबला खेला जाएगा।

अभय सिंह का दमदार प्रदर्शन पुरुष एकल में अभय सिंह ने दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका के रविंदु लक्सरी को 25 मिनट में 3-0 (11-5, 11-6, 11-0) से शिकस्त दी। क्वार्टर फाइनल में अभय का सामना मेजबान जापान के रयोउनोसुके से होगा। चोटरानी को मलेशिया के संजय जीवा के खिलाफ कड़ी चुनौती का



सामना करना पड़ा। उन्होंने एक घंटे नौ मिनट चले रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9, 8-11, 11-6, 15-17, 11-6) से जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में उनकी भिड़ंत पाकिस्तान के इरफान मुहम्मद से होगी।

इससे पहले दिन में अनुभवी जोशना चिनप्पा और वेलावन सेथिलकुमार ने हमवतन सूरज चंद और शमीना रियाज को सीधे गेम में हराकर मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकी भारतीय जोड़ी ने ऑल-इंडियन मुकाबले में 11-7, 11-10 से जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी अब शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के डेविड पेनिनो और जेमीका अरिबादो की जोड़ी से भिड़ेगी।

रूप से कराएँ। गोला एवं सूखा कचरा के मैनेजमेंट के लिए आवश्यक व्यवस्था करें। कॉलेज, होटल एवं मैरिज गार्डन से भी कचरा संग्रहण करें। कमिश्नर ने प्रथमदर्भात्त आवास शरीर की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि किस्त लेने के बाद भी आवास न बनाने वाले हितग्राहियों से वसूली की कार्यवाही करें। बैठक में बताया गया कि कुछ हितग्राही 6 माह से राशि लेकर बैठे हैं लेकिन आवास का निर्माण नहीं कर रहे हैं। ऐसी स्थिति पर कमिश्नर ने सूखा नाराजगी व्यक्त की। कमिश्नर ने निर्माण कार्यों वाधक अवैध कब्जे को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कहा कि सभी सीएमओ अपने अधिकारों का उपयोग अतिक्रमण हटाने में करें। कमिश्नर ने 7 वर्ष से अधिक पुराने कचरा संग्रहण वाहनों को हटाकर उनके स्थान पर नए वाहन संबंधित एजेंसी तैनात कराने के निर्देश दिए।



The diagram illustrates the connectivity of cities in Madhya Pradesh, India. The cities are represented as orange circular nodes, and the roads connecting them are shown as white lines. The network is dense, with many interconnections between cities. A large orange location pin icon is overlaid on the right side of the map.

Key cities and their connections include:

- Morena** connects to **Bhind** and **Gwalior**.
- Bhind** connects to **Gwalior** and **Datia**.
- Gwalior** connects to **Datia** and **Sheopur**.
- Datia** connects to **Sheopur** and **Shivpuri**.
- Sheopur** connects to **Shivpuri** and **Tikamgarh**.
- Shivpuri** connects to **Tikamgarh** and **Ashoknagar**.
- Tikamgarh** connects to **Ashoknagar** and **Chhatarpur**.
- Ashoknagar** connects to **Guna** and **Vidisha**.
- Guna** connects to **Vidisha** and **Sagar**.
- Vidisha** connects to **Sagar** and **Damoh**.
- Sagar** connects to **Damoh** and **Katni**.
- Damoh** connects to **Katni** and **Umariya**.
- Katni** connects to **Umariya** and **Shahdol**.
- Umariya** connects to **Shahdol** and **Anuppur**.
- Shahdol** connects to **Anuppur** and **Dindori**.
- Anuppur** connects to **Dindori** and **Mandla**.
- Dindori** connects to **Mandla** and **Seoni**.
- Mandla** connects to **Seoni** and **Chhindwara**.
- Seoni** connects to **Chhindwara** and **Balaghat**.
- Chhindwara** connects to **Balaghat** and **Betul**.
- Betul** connects to **Narmadapuram** and **Harda**.
- Narmadapuram** connects to **Harda** and **Indore**.
- Harda** connects to **Indore** and **Khandwa**.
- Indore** connects to **Khandwa** and **Deवास**.
- Deवास** connects to **Khandwa** and **Barwani**.
- Khandwa** connects to **Barwani** and **Alirajpur**.
- Barwani** connects to **Alirajpur** and **Khargone**.
- Alirajpur** connects to **Khargone** and **Dhar**.
- Khargone** connects to **Dhar** and **Sehore**.
- Dhar** connects to **Sehore** and **Ujjain**.
- Sehore** connects to **Ujjain** and **Shajapur**.
- Ujjain** connects to **Shajapur** and **Agar Malwa**.
- Shajapur** connects to **Agar Malwa** and **Rajgarh**.
- Agar Malwa** connects to **Rajgarh** and **Ratlam**.
- Rajgarh** connects to **Ratlam** and **Bhopal**.
- Ratlam** connects to **Bhopal** and **Jhabua**.
- Bhopal** connects to **Jhabua** and **Raisen**.
- Jhabua** connects to **Raisen** and **Narsinghpur**.
- Raisen** connects to **Narsinghpur** and **Jabalpur**.
- Narsinghpur** connects to **Jabalpur** and **Damoh**.
- Jabalpur** connects to **Damoh** and **Katni**.
- Damoh** connects to **Katni** and **Umariya**.
- Katni** connects to **Umariya** and **Shahdol**.
- Umariya** connects to **Shahdol** and **Anuppur**.
- Shahdol** connects to **Anuppur** and **Dindori**.
- Anuppur** connects to **Dindori** and **Mandla**.
- Dindori** connects to **Mandla** and **Seoni**.
- Mandla** connects to **Seoni** and **Chhindwara**.
- Seoni** connects to **Chhindwara** and **Balaghat**.
- Chhindwara** connects to **Balaghat** and **Betul**.
- Betul** connects to **Narmadapuram** and **Harda**.
- Narmadapuram** connects to **Harda** and **Indore**.
- Harda** connects to **Indore** and **Khandwa**.
- Indore** connects to **Khandwa** and **Deवास**.
- Deवास** connects to **Khandwa** and **Barwani**.
- Khandwa** connects to **Barwani** and **Alirajpur**.
- Barwani** connects to **Alirajpur** and **Khargone**.
- Alirajpur** connects to **Khargone** and **Dhar**.
- Khargone** connects to **Dhar** and **Sehore**.
- Dhar** connects to **Sehore** and **Ujjain**.
- Sehore** connects to **Ujjain** and **Shajapur**.
- Ujjain** connects to **Shajapur** and **Agar Malwa**.
- Agar Malwa** connects to **Rajgarh** and **Ratlam**.
- Rajgarh** connects to **Ratlam** and **Bhopal**.
- Ratlam** connects to **Bhopal** and **Jhabua**.
- Bhopal** connects to **Jhabua** and **Raisen**.
- Jhabua** connects to **Raisen** and **Narsinghpur**.
- Raisen** connects to **Narsinghpur** and **Jabalpur**.
- Narsinghpur** connects to **Jabalpur** and **Damoh**.
- Jabalpur** connects to **Damoh** and **Katni**.
- Damoh** connects to **Katni** and **Umariya**.
- Katni** connects to **Umariya** and **Shahdol**.
- Umariya** connects to **Shahdol** and **Anuppur**.
- Shahdol** connects to **Anuppur** and **Dindori**.
- Anuppur** connects to **Dindori** and **Mandla**.
- Dindori** connects to **Mandla** and **Seoni**.
- Mandla** connects to **Seoni** and **Chhindwara**.
- Seoni** connects to **Chhindwara** and **Balaghat**.
- Chhindwara** connects to **Balaghat** and **Betul**.
- Betul** connects to **Narmadapuram** and **Harda**.
- Narmadapuram** connects to **Harda** and **Indore**.
- Harda** connects to **Indore** and **Khandwa**.
- Indore** connects to **Khandwa** and **Deवास**.
- Deवास** connects to **Khandwa** and **Barwani**.
- Khandwa** connects to **Barwani** and **Alirajpur**.
- Barwani** connects to **Alirajpur** and **Khargone**.
- Alirajpur** connects to **Khargone** and **Dhar**.
- Khargone** connects to **Dhar** and **Sehore**.
- Dhar** connects to **Sehore** and **Ujjain**.
- Sehore** connects to **Ujjain** and **Shajapur**.
- Ujjain** connects to **Shajapur** and **Agar Malwa**.
- Agar Malwa** connects to **Rajgarh** and **Ratlam**.
- Rajgarh** connects to **Ratlam** and **Bhopal**.
- Ratlam** connects to **Bhopal** and **Jhabua**.
- Bhopal** connects to **Jhabua** and **Raisen**.
- Jhabua** connects to **Raisen** and **Narsinghpur**.
- Raisen** connects to **Narsinghpur** and **Jabalpur**.
- Narsinghpur** connects to **Jabalpur** and **Damoh**.
- Jabalpur** connects to **Damoh** and **Katni**.
- Damoh** connects to **Katni** and **Umariya**.
- Katni** connects to **Umariya** and **Shahdol**.
- Umariya** connects to **Shahdol** and **Anuppur**.
- Shahdol** connects to **Anuppur** and **Dindori**.
- Anuppur** connects to **Dindori** and **Mandla**.
- Dindori** connects to **Mandla** and **Seoni**.
- Mandla** connects to **Seoni** and **Chhindwara**.
- Seoni** connects to **Chhindwara** and **Balaghat**.
- Chhindwara** connects to **Balaghat** and **Betul**.
- Betul** connects to **Narmadapuram** and **Harda**.
- Narmadapuram** connects to **Harda** and **Indore**.
- Harda** connects to **Indore** and **Khandwa**.
- Indore** connects to **Khandwa** and **Deवास**.
- Deवास** connects to **Khandwa** and **Barwani**.
- Khandwa** connects to **Barwani** and **Alirajpur**.
- Barwani** connects to **Alirajpur** and **Khargone**.
- Alirajpur** connects to **Khargone** and **Dhar**.
- Khargone** connects to **Dhar** and **Sehore**.
- Dhar** connects to **Sehore** and **Ujjain**.
- Sehore** connects to **Ujjain** and **Shajapur**.
- Ujjain** connects to **Shajapur** and **Agar Malwa**.
- Agar Malwa** connects to **Rajgarh** and **Ratlam**.
- Rajgarh** connects to **Ratlam** and <

A young woman with dark hair and sunglasses on her head is smiling and sitting on a silver rolling suitcase. She is wearing a yellow hoodie, blue jeans, and white sneakers. A black backpack is on her back. The background is a solid purple color.

यात्री फीडबैक के आधार पर शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित समाधान

